Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 200 | पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 | रायपुर, रविवार 02 अगस्त, 2026 | www.sakarbharat.com

बस्तर-सरगुजा ओलंपिक सहित राष्ट्रीय खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स से निखरी छत्तीसगढ़ के युवा पीढ़ी की पहचान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में खेल क्रांति, बस्तर-सरगुजा से उभर रहे नए चैंपियन

रायपुर। एक समय था जब यह माना जाता था कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही उज्ज्वल भविष्य और अच्छी नौकरी का मार्ग है। इसी सोच को दर्शाते हुए कहा जाता था- 'पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे बनोगे खराब।' लेकिन आज का भारत इस धारणा को पूरी तरह बदल चुका है।

इसलिए आज के दौर में यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही सफलता का एकमात्र मार्ग है। यदि किसी में खेल के प्रति जुनून, अनुशासन और समर्पण है, तो वह खेलों के माध्यम से भी अपने सपनों को साकार कर सकता है। शिक्षा और खेल, दोनों मिलकर व्यक्तित्व का समग्र विकास करते हैं तथा जीवन में सफलता के नए द्वार खोलते हैं।

खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, अनुशासन और सफलता की ऐसी पाठशाला है, जहाँ से भविष्य के विजेता तैयार होते हैं। आज खेलों में करियर की असीम संभावनाएँ हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान, रोजगार, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक पहचान मिल रही है। ऐसे समय में प्रत्येक युवा के लिए आवश्यक है कि वह अपनी खेल प्रतिभा को पहचाने और उसे सही दिशा देकर अपने भविष्य को संवारे।

हर बच्चे के भीतर कोई न कोई विशेष क्षमता होती है। किसी की गति उसे उत्कृष्ट धावक बनाती है तो किसी की फुर्ती कबड्डी, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, तीरंदाजी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल या अन्य खेलों में सफलता दिला सकती है। यदि प्रतिभा को समय पर प्रशिक्षण और अवसर मिले, तो वही खिलाड़ी प्रदेश और देश का गौरव बनता है। खेलों का सबसे बड़ा योगदान यह है कि वे जीवन के महत्वपूर्ण गुणों का विकास करते हैं। अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, समय प्रबंधन और संघर्ष का साहस खेल के मैदान में ही सीखा जाता है। यही गुण आगे चलकर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नींव रखते हैं। छत्तीसगढ़ में खेलों को नया स्वरूप देने की दिशा में राज्य शासन ने उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, ग्रामीण और जनजातीय अंचलों के युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने तथा खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का विकास, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार, खेल अकादमियों को सुदृढ़ करना तथा विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसी के साथ ही इस वर्ष से छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया है। विशेष रूप से बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी अभिनव पहल ने खेलों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया है। इन आयोजनों ने दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। परंपरागत खेलों के साथ आधुनिक खेलों को भी बढ़ावा देकर हजारों युवाओं, महिलाओं और बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है।

SHORT NEWS

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुदृढ़ अधोसंरचना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुदृढ़ अधोसंरचना किसी भी राष्ट्र के विकास की मुख्य नींव हैं, जिन्हें सरकार ने अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को बेहतर और आधुनिक माहौल मिलता है। राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री गटंक राम वर्मा ने शुक्रवार को वनांचल क्षेत्र नगरी को शिक्षा और आधारभूत विकास की बड़ी सौगात दी। उन्होंने शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय, नगरी में 50 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया। इसके साथ ही नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया। इस दौरान मंत्री ने महाविद्यालय की वार्षिक साहित्यिक एवं शैक्षणिक पत्रिका 'श्रेष्ठांश' का विमोचन किया तथा परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

प्रकृति संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली ही सुरक्षित भविष्य की कुंजी : रमेन डेका

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज रायगढ़ प्रवास के दौरान जिला कलेक्टोरेट परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। उन्हो। इस अवसर पर राज्यपाल डेका ने कहा कि प्रकृति संरक्षण केवल पर्यावरण बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और अस्वस्थ जीवनशैली जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं। इनसे निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देना होगा। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव का भी प्रतीक है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपनी माता की स्मृति में या उनके सम्मान में एक पौधा अवश्य लगाएं और उसके संरक्षण का संकल्प लें। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ.सी.आर.प्रसन्ना, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, वसहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

सेवा, शिद्दत और संकल्प से करें काम : अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा बेमेतरा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने आज बेमेतरा जिला मुख्यालय में अधिकारियों की बैठक लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जिले के समग्र विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में अधिकारियों से कहा कि वे सेवा, शिद्दत और संकल्प के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा बेमेतरा को विकास के हर क्षेत्र में प्रदेश का अग्रणी जिला बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि बेमेतरा भौगोलिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से अनुकूल जिला है, जहां बेहतर कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल, विधायक दीपेश साहू और ईश्वर साहू तथा कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई भी बैठक में शामिल हुईं।

हरमीत होरा की चुनावी एंट्री की चर्चा तेज, भाजपा-कांग्रेस में टिकट को लेकर बढ़ी हलचल

धमतरी/कुरूद। कुरूद विधानसभा क्षेत्र में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। क्षेत्र में भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के संभावित उम्मीदवारों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो चुका है। इसी बीच नागरिक बैंक के अध्यक्ष हरमीत (हरजीत) होरा के चुनाव लड़ने की अटकलों ने स्थानीय राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। हालांकि अभी तक किसी भी राजनीतिक दल की ओर से उम्मीदवारों की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन क्षेत्र में विभिन्न नामों को लेकर लगातार कयास लगाए जा रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि भाजपा वर्तमान विधायक अजय चंद्राकर के सामने किसी प्रभावशाली चेहरे को मैदान में उतारने की रणनीति बनाती है, तो हरमीत होरा का नाम प्रमुख दावेदारों में शामिल हो सकता है। क्षेत्र में उनका सामाजिक और व्यावसायिक प्रभाव होने के कारण उन्हें संभावित उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा है। कुरूद विधानसभा की राजनीति लंबे समय से कई वरिष्ठ नेताओं के इर्द-गिर्द घूमती रही है। पूर्व विधायक रंजना साहू, ओंकार साहू, तारिणी चंद्राकर और कविता योगेश बावर जैसे नेताओं के नाम भी अलग-अलग राजनीतिक समीकरणों में चर्चा में बने हुए हैं। माना जा रहा है कि टिकट वितरण के समय स्थानीय संगठन, जनाधार और जीत की संभावना को सबसे बड़ा आधार बनाया जाएगा। भाजपा के भीतर संगठनात्मक समीकरण और संभावित गुटबाजी भी टिकट चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। वहीं कांग्रेस भी मजबूत और जनाधार वाले उम्मीदवार की तलाश में जुटी हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस बार दोनों प्रमुख दल जीत सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक समीकरण और स्थानीय लोकप्रियता को प्राथमिकता देंगे।

क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि भारत माला परियोजना, स्थानीय विकास कार्यों और विभिन्न जनसरोकारों से जुड़े मुद्दे आगामी चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल पर कावड़ यात्रियों के लिए निःशुल्क भोजन, विश्राम और सेवा की व्यवस्था

रायपुर। पवित्र सावन माह के अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की पहल पर अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम में कबीरधाम जिले सहित आसपास के कावड़ यात्रियों के लिए निःशुल्क सेवा प्रदान की जा रही है। सावन के पहले ही दिन 500 कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं ने मृत्युंजय आश्रम में प्रसादी ग्रहण किया। यह सेवा पूरे सावन माह तक संचालित किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालुओं के लिए सुबह की चाय और नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि का निःशुल्क सात्विक भोजन, विश्राम स्थल, पेयजल, स्वच्छ शौचालय एवं प्राथमिक चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं।

सेवा का संचालन उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है, जो कावड़ यात्रियों का पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ स्वागत एवं सेवा कर रही है। समिति के सदस्य लगातार यात्रियों की सेवा में लगे हुए हैं और उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है।उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सावन माह भगवान शिव की आराधना का महीना है और शिवभक्तों की सेवा करना वास्तव में शिव सेवा के समान है। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा कठिन होती है और हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि श्रद्धालुओं को इस यात्रा में किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे पूरी आस्था और विश्वास के साथ अपनी भक्ति पूर्ण कर सकें।

डिजिटल इंडिया ने भारत को विश्व में नई पहचान दिलाई, सीएससी डिजिटल क्रांति के वास्तविक सूत्रधार : वित्त मंत्री ओपी चौधरी

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी आज रायपुर में कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा आयोजित '17 **Years of Progress with Purpose**' कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएससी संचालकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा डिजिटल इंडिया अभियान को जन-जन तक पहुँचाने में उनके योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में डिजिटल इंडिया अभियान ने भारत को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई है। आज भारत डिजिटल लेन-देन के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है और तकनीक का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रहा है। उन्होंने प्रदेश के 38 हजार पंजीकृत सीएससी संचालकों और उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों से छत्तीसगढ़ के तीन करोड़ नागरिकों को सरकारी सेवाएँ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सीएससी ने वास्तविक अर्थों में 'सिंगल विंडो सिस्टम' को चरितार्थ किया है, जहाँ एक ही स्थान पर राजस्व, श्रम, बिजली, आयुष्मान, बैंकिंग सहित अनेक सेवाएँ आम नागरिकों को मिल रही हैं।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जब दीदी सरिता वर्मा के ई-रिक्शा में बैठकर स्पीकर हाऊस के लिए हुए रवाना..

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में आयोजित श्रमिक सम्मेलन में आयी नया ढाबा की हितग्राही ई-रिक्शा चलाने वाली दीदी श्रीमती सरिता वर्मा के ई-रिक्शा में बैठकर स्पीकर हाऊस के लिए रवाना हुए। ई-रिक्शा चालक दीदी श्रीमती सरिता वर्मा के चेहरे पर खुशी झलक रही थी। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज के समय में महिलाएं सायकिल, मोटरसायकिल, कार यहां तक की पायलट बनकर हवाई जहाज भी चला रही हैं। महिलाओं ने शिक्षा के साथ ही सक्षम एवं सशक्त, आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने श्रमिक महिलाओं का हौसला बढ़ाया। इस दौरान ई-रिक्शा में उनके साथ जिला पंचायत सीईओ श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी एवं श्री सुमीत उपाध्याय उपस्थित रहे। गौरतलब है कि शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं से जनमानस की जिंदगी बदल रही है और सामाजिक परिवर्तन एवं जागृति दिखाई दे रही है। जिसकी एक बानगी श्रमिक सम्मेलन में दिखाई दी। श्रमिक महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए।

श्रमिक सम्मेलन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने वहां आयी हितग्राही ई-रिक्शा चालक दीदी श्रीमती उषा साहू से बातचीत की। उन्होंने शिक्षा के बारे में जानकारी ली और कहा कि 10वीं के बाद आगे की पढ़ाई जरूर जारी रखें। विधानसभा अध्यक्ष ने श्रीमती उषा साहू के पति से पूछा कि पत्नी जब ई-रिक्शा चलाती है, तो डर तो नहीं लगता। उनके पति श्री भावेश साहू ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी को ई-रिक्शा चलाना सिखाया है और उसे प्रोत्साहित करते हैं, जिससे उनका घर-परिवार आर्थिक तौर पर मजबूत बनेगा और बचत भी होगी।

बचेली के चितुराम नाग ने चुकाया पूरा ऋण, बने दूसरों के लिए मिसाल

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ वित्त एवं विकास निगम रायपुर से स्वरोजगार व आर्थिक उत्थान के लिए ऋण लेने वाले नागरिकों के लिए एक बेहद गौरवशाली और प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। बचेली निवासी दिव्यांग हितग्राही चितुराम नाग, वार्ड कमांक-01, जिला दन्तेवाड़ा ने अपनी शारीरिक चुनौतियों को दरकिनार कर आत्मनिर्भरता की एक नई मिसाल पेश की है। उन्होंने वर्ष 2017 में छत्तीसगढ़ वित्त एवं विकास निगम रायपुर से अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने हेतु 3,60,000 रूपये (तीन लाख साठ हजार रूपये) का ऋण प्राप्त किया था। हितग्राही चितुराम नाग ने अपनी दिव्यांगता को कभी अपने आड़े नहीं आने दिया और अपनी अटूट मेहनत, दृढ़ संकल्प तथा ईमानदारी से निगम के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निवर्हन किया। वित्तीय अनुशासन का सर्वोत्कृष्ट परिचय देते हुए उन्होंने इस सम्पूर्ण ऋण राशि का समय सीमा के भीतर पूर्ण भुगतान कर दिया है। उनका ऋण खाता अब पूर्ण रूप से नस्तीबद्ध हो चुका है, जो उनके स्वावलंबन को प्रमाणित करता है। शारीरिक बाधाओं को पार कर वित्तीय दायित्वों को समय पर निभाने के इस अभूतपूर्व कदन के लिए सम्बन्धित विभाग के उच्चाधिकारियों एवं समस्त कर्मचारियों द्वारा चितुराम नाग की प्रशंसा की गई तथा उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

निगम के उच्चाधिकारियों द्वारा दिव्यांग हितग्राहियों के आर्थिक सशक्तिकरण को और मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसके तहत विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि मूक बधिर दिव्यांग हितग्राहियों को विशेष व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, जिससे प्रशिक्षण प्राप्त कर वे सक्षम बन सकें। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक दिव्यांग हितग्राही को ऐसा कौशल मिले जिससे वे प्रतिदिन 300 से 500 तक की नियमित कमाई कर सकें, साथ ही जो दिव्यांग हितग्राही ऋण लिए हैं और भुगतान नहीं कर रहे हैं, उनके ऊपर कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान लोकेश कावड़िया जी अध्यक्ष छ.ग वित्त एवं विकास निगम रायपुर (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त), पंकज वर्मा प्रबंधक संचालक छ.ग वित्त एवं विकास निगम रायपुर, कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव, उप संचालक समाज कल्याण मूलचंद चोपड़ा एवं समाज कल्याण के कर्मचारी उपस्थित रहें।

जिले में मच्छर रोधी कीटनाशक छिड़काव प्रशिक्षण, दो चरणों में कराया जाएगा छिड़काव

दंतेवाड़ा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय रामटेके मार्गदर्शन में जिले में मच्छर रोटी कीटनाशक छिड़काव के आवश्यक तैयारी हेतु समस्त विकास खंड में छिड़काव दल का गठन कर आवश्यक प्रशिक्षण संपन्न कर दिया गया है।

जिले में मलेरिया के बचाव एवं रोकथाम के लिए दो चरणों में छिड़काव का कार्य संपन्न कराया जाएगा जिसमें प्रथम चरण 1 अगस्त से 15 अक्टूबर एवं द्वितीय चरण 16 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक चलाया जाएगा जिसके अंतर्गत जिले में गठित कुल 14 छिड़काव दल के द्वारा घर-घर जाकर मच्छर रोधी कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जाएगा। इसके अलावा जिले के समस्त आश्रम छात्रावास, पोटाकेबिन एवं अर्धसैनिक बलों के कैंप में भी छिड़काव का कार्य किया जाएगा

पहाड़ी कोरवा परिवारों को वितरित किए जा रहे पोषणयुक्त फलदार पौधे

अम्बिकापुर। वनमंडल सरगुजा द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों के बीच पोषण एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फलदार एवं पोषणयुक्त पौधों का वितरण किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य पहाड़ी कोरवा परिवारों को पोषण सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है। वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) अभिषेक जोगावत के मार्गदर्शन में विकासखंड सीतापुर के वन परिक्षेत्र देवगढ़ अंतर्गत बीट देवगढ़ में पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वन समिति अध्यक्ष चन्दरसाय लकड़ा द्वारा ग्राम राजा आटा एवं पेरवाँ आरा पहुंचकर पहाड़ी कोरवा परिवारों को मुनगा, पपीता, सीताफल एवं आंवला जैसे पोषणयुक्त फलदार पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को पौधों के संरक्षण, नियमित देखभाल एवं उनके पोषण संबंधी महत्व की जानकारी भी दी गई।

शासन की योजनाओं का गंभीरतापूर्वक करें सेचुरेशन : प्रभारी सचिव धर्मेश साहू

दंतेवाड़ा। जिले में केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं और विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के प्रभारी सचिव धर्मेश साहू ने जिला स्तरीय अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, प्रशासनिक व्यवस्थाओं, राजस्व प्रकरणों तथा विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने पीपीटी के माध्यम से जिले में विभिन्न विभागों द्वारा चल रहे प्रमुख कार्यों एवं प्रगति की जानकारी दी।

बैठक में प्रभारी सचिव ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन में जिले को टॉप 10 जिलों लाने के लिए प्रभावी रणनीति आवष्यक है। इसके साथ ही विकास सूचकांक एवं पोर्टलों की रैंकिंग में भी जिले का उत्कृष्ट प्रदर्शन होना चाहिए। इसे सभी विभाग चुनौतियों की तरह ले। जिन सूचकांक में जिला पिछड़ रहा है। उसकी सुधार के लिए आ रही दिक्कतों को ही चिन्हांकित न करे बल्कि अपने स्तर पर उसका समाधान प्रस्तुत करते हुए कलेक्टर को अवगत कराए। साथ ही अपने-अपने विभागीय अमले का प्रचुर इस्तेमाल कर अन्य विभागों से भी समन्वय करना भी सभी विभाग प्रमुखों का प्रमुख जिम्मेदारी है।

इस क्रम में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि आगामी बैठक में आवास योजना में प्रगति प्रदर्शित होनी चाहिए इसके लिए अभी से ही सकारात्मक प्रयास करें। इसके साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की समीक्षा में उन्होंने वार्षिक लक्ष्य, सृजित मानव दिवस, मजदूरी भुगतान, स्वीकृत, अपूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। राष्ट्रीय आजीविका मिशन तथा लखपति दीदी योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के 10 हजार दीदियों को लखपति बनाई गई है। इस पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं के कौशल का उपयोग कर उनकी आजीविका में वृद्धि करें। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान उनके द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, महतारी वंदन योजना, कुपोषित बच्चों की जानकारी, आंगनवाड़ी भवनों, शौचालय एवं पेयजल की स्थिति की जानकारी ली गई। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में जन्म दर, मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, टीबी, एनआरसी, सिकल सेल, आयुष्मान कार्ड की प्रगति की जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि सभी गर्भवती महिलाओं का संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जाए एवं पीवीटीजी समुदाय के सभी शेष हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड समय पर बनाने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान गणवेश, पाठ्यपुस्तकों, अपार आईडी, स्कूल जतन योजना तथा पीएम श्री स्कूलों के निर्माण कार्यों की प्रगति लेते हुए उन्होंने कहा कि सभी बच्चों के अपार आईडी प्राथमिकता से बनाए जाएं, स्कूलों का नियमित निरीक्षण हो और शिक्षा को प्रत्येक बच्चे तक नि:शुल्क एवं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन की प्रगति की जानकारी लेते उनके द्वारा निर्देश दिया गया कि सभी स्वीकृत कार्य समय सीमा में पूर्ण हों और हर घर तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

सरस्वती साइकिल योजना से बेटियों को मिली नई रफ्तार, छात्राओं को वितरित की गईं नि:शुल्क साइकिलें

एमसीबी। शासन की महत्वाकांक्षी नि:शुल्क सरस्वती साइकिल योजना के तहत शुक्रवार को विकासखंड केल्हारी अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पसौरी में कक्षा 9वीं की छात्राओं को नि:शुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना, उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ाना तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की सरपंच, मंडल अध्यक्ष केल्हारी तथा विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन और मेहनत के साथ अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के प्राचार्य सुरेश कुमार उदय ने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना छात्राओं के लिए अत्यंत लाभकारी पहल है। इससे दूरस्थ क्षेत्रों की बालिकाओं को विद्यालय पहुंचने में सुविधा मिलेगी, उनकी शिक्षा में निरंतरता बनी रहेगी तथा विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति में कमी आएगी। उन्होंने छात्राओं से इस सुविधा का सदुपयोग करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सरपंच राधना सिंह, धीरज मौर्य मंडल अध्यक्ष केल्हारी, वीरेंद्र सिंह एसएमसी अध्यक्ष, रविनाथ एसएमसी उपाध्यक्ष, धर्मेंद्र मिश्रा, अजमेर सिंह एसएमसी सदस्य, उषा रानी तिर्की सहित विद्यालय का समस्त शिक्षकीय स्टाफ एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के चेहरों पर उत्साह और खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने शासन की इस जनकल्याणकारी योजना के लिए आभार व्यक्त करते हुए नियमित रूप से विद्यालय आकर मन लगाकर पढ़ाई करने का संकल्प लिया।

सेवा सेतु पोर्टल से तीन दिनों में मिला निवास प्रमाण पत्र, हितग्राही ने जताई खुशी

एमसीबी। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत जनकपुर निवासी दिव्यांश प्रधान को छत्तीसगढ़ शासन के सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से समयबद्ध एवं पारदर्शी शासकीय सेवा का लाभ मिला। उन्होंने स्वय के निवास प्रमाण पत्र के लिए 26 जुलाई 2026 को सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था।

आवेदन के त्वरित निराकरण के बाद 29 जुलाई 2026 को उनका निवास प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया, जिससे उन्हें समय पर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त हो गया। दिव्यांश प्रधान ने बताया कि सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन करने की प्रक्रिया बेहद सरल और सुविधाजनक रही। बिना किसी अनावश्यक भागदौड़ के निर्धारित समय में निवास प्रमाण पत्र मिल जाने से आवश्यक शैक्षणिक एवं अन्य कार्यों में सुविधा हुई। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु व्यवस्था के कारण समय और धन दोनों की बचत हुई तथा पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रही। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आम नागरिकों को शासकीय सेवाएं तेजी से उपलब्ध हो रही हैं। इससे लोगों का सरकारी सेवाओं के प्रति विश्वास बढ़ा है और आवश्यक प्रमाण पत्र समय पर मिल रहे हैं। इस जनहितकारी पहल के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह व्यवस्था आम लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है।

कलेक्टर ने प्राचार्यों को दिए कड़े निर्देश, दोबारा उल्लंघन पर पालकों के विरुद्ध होगी कानूनी कार्रवाई

धमतरी। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए संयुक्त अभियान प्रारंभ किया है। इसी कड़ी में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों की वर्चुअल बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक भावना पाण्डेय, सहायक संचालक शिक्षा यदुनंदन वर्मा सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के नाबालिग बच्चों द्वारा दोपहिया अथवा अन्य वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि उनके स्वयं के जीवन और अन्य नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। उन्होंने सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया कि विद्यालय परिसर में यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी नाबालिग छात्र-छात्रा वाहन लेकर विद्यालय न पहुंचे। यदि कोई विद्यार्थी वाहन लेकर आता है, तो तत्काल उसके पालकों को सूचना देकर आवश्यक समझाइश दी जाए तथा इसकी जानकारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को भी उपलब्ध कराई जाए।

कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में शीघ्र पालक-शिक्षक बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि अभिभावकों को मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों, सड़क सुरक्षा के महत्व तथा बच्चों के सुरक्षित आवागमन के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के लिए स्कूल बस, साइकिल, सार्वजनिक परिवहन अथवा पालकों द्वारा सुरक्षित परिवहन जैसी वैकल्पिक व्यवस्थाएं अपनाने का आग्रह किया। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए एक सप्ताह का समय निर्धारित किया गया है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विद्यालयों के आसपास असामाजिक तत्वों की गतिविधियां, नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री अथवा विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार का असुरक्षित वातावरण पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से विद्यालयों में योग, खेलकूद, नैतिक शिक्षा, यातायात जागरूकता तथा नशामुक्ति संबंधी गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने पर भी विशेष बल दिया गया।

राजस्व मामलों में देरी बर्दाश्त नहीं, नामांतरण-बंटवारा सहित स्वामित्व कार्ड के प्रकरण समय पर निपटाएं : टंकराम वर्मा

धमतरी। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व, आपदा प्रबंधन, पुनर्वास तथा उच्च शिक्षा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने गुरुवार देर शाम कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं, विकास कार्यों एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आम जनता से जुड़े सभी राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, स्वामित्व कार्ड, भूमि डायवर्सन सहित अन्य राजस्व मामलों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। आम नागरिकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें, यह प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रभारी मंत्री वर्मा ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक मूल्य तभी है, जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशील, जवाबदेह और सेवा भाव के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रशासन सरकार और जनता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। अधिकारी जितनी ईमानदारी और प्रतिबद्धता से योजनाओं का क्रियान्वयन करेंगे, उतना ही शासन के प्रति आमजन का विश्वास मजबूत होगा।

बैठक में राजस्व विभाग के कार्यों की विशेष समीक्षा करते हुए उन्होंने लंबित प्रकरणों की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का नियमानुसार, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग सीधे नागरिकों के दैनिक जीवन से जुड़ा है, इसलिए प्रत्येक अधिकारी नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने पांच हितग्राहियों को स्वामित्व कार्ड तथा पांच हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

शाला प्रवेश उत्सव में पहुंचे विधायक अनुज शर्मा: नवप्रवेशी बच्चों का किया स्वागत, मेधावी छात्र सम्मानित; खौना के विकास के लिए 15 लाख की सौगात

धरसींवा। धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खौना स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 'शाला प्रवेश उत्सव' का भव्य और गरिमामय आयोजन अत्यंत उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धरसींवा विधायक अनुज शर्मा शामिल हुए। स्कूल परिसर पहुंचने पर शाला परिवार, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने विधायक का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

शाला प्रवेश उत्सव के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने विद्यालय में प्रवेश लेने वाले नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर, मुंह मीठा कराकर और उपहार स्वरूप पुस्तकें वितरित कर उनका आत्मीय स्वागत किया। विधायक के हाथों दुलार और उपहार पाकर मासूम बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने और मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी।

विगत शैक्षणिक सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बोर्ड एवं वार्षिक परीक्षाओं में बेहतरीन अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को विधायक अनुज शर्मा द्वारा मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस दौरान विधायक ने उत्कृष्ट अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने बच्चों की आगे की पढ़ाई की योजनाओं और करियर के लक्ष्यों के बारे में जाना तथा जीवन में सफलता के लिए उनका आत्मीय मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने छात्र-छात्राओं के हुनर की सराहना करते हुए कहा, 'आज बच्चों ने जिस तरह की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी हैं, उसने सच में मेरा दिल जीत लिया है! हमारी संस्कृति हमारी असली जड़ें हैं, जिससे हमें हमेशा जुड़े रहना चाहिए।' उन्होंने कहा कि पढ़ाई में अव्वल रहिए, खेलकूद में आगे रहिए और कला के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाइए— यही एक सच्चे विद्यार्थी का संपूर्ण और सर्वांगीण विकास है। शिक्षा ही किसी भी समाज और देश की प्रगति का आधार है। नया शैक्षणिक सत्र सिर्फ किताबों के नए पन्नों को पलटने का नाम नहीं है, बल्कि यह आपकी उम्मीदों, सपनों और नई सफलताओं की नींव रखने का उत्सव है।

विधायक ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन और निरंतर अभ्यास को ही अपना ध्येय बनाएं। उन्होंने नौनिहालों को आशीर्वाद देते हुए कहा, 'आज हमने इस प्रांगण में जो पौधे रोपे हैं, उन्हें सिर्फ मिट्टी में गाड़कर छोड़ना नहीं है। जैसे एक पौधे को पेड़ बनने के लिए खाद, पानी और देखभाल की ज़रूरत होती है, वैसे ही आपको भी बड़ा इंसान बनने के लिए ज्ञान, संस्कार और अनुशासन की ज़रूरत है। आप इस स्कूल के पौधे हैं, और हम सब मिलकर आपको समाज का एक मजबूत वटवृक्ष बनते देखना चाहते हैं।

दोषमुक्ति के आदेश के विरुद्ध अभियोजन की अपील अंशतः स्वीकार, अर्थदंड में वृद्धि'

नारायणपुर। अपर सत्र न्यायाधीश नारायणपुर जितेंद्र कुमार ठाकुर ने राज्य बनाम संजय मेड़िया एवं अन्य प्रकरण में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, नारायणपुर द्वारा दिनांक 5 मार्च 2025 को पारित दोषमुक्ति के आदेश के विरुद्ध अभियोजन द्वारा प्रस्तुत अपील पर महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। न्यायालय ने अभियोजन की अपील को अंशतः स्वीकार करते हुए अभियुक्त संजय मेड़िया एवं जितेंद्र मेड़िया को भारतीय दंड संहिता की धारा 323/34 के अंतर्गत न्यायालय उठने तक के कारावास तथा प्रत्येक पर 2,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

अभियोजन की ओर से उपसंचालक अनिल कुमार गर्ग द्वारा दोषमुक्ति के आदेश के विरुद्ध अपील प्रस्तुत की गई थी, जिस पर सुनवाई के उपरांत न्यायालय ने यह निर्णय पारित किया। प्रकरण के अनुसार, 12 मई 2020 को यातायात पेट्रोलिंग दल में शामिल आरक्षक डिगेश रामटेके, आरक्षक दुगेश साहू तथा वाहन चालक दुलम मेड़िया शासकीय वाहन से ड्यूटी पर नारायणपुर की ओर रवाना हुए थे। मांडिन चौक पहुंचने पर उन्होंने देखा कि दो व्यक्ति सड़क के बीचों-बीच मोटरसाइकिल खड़ी कर बातचीत कर रहे थे, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा था।

पेट्रोलिंग दल द्वारा दोनों व्यक्तियों को सड़क के किनारे वाहन खड़ा करने की समझाइश देने पर वे आक्रोशित हो गए। अभियोजन के अनुसार, आरोपियों ने स्वयं को संजय एवं जितेंद्र बताते हुए शासकीय कर्मचारियों के साथ अश्लील गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी तथा हाथ, मुक्के एवं डंडे से मारपीट की। इस दौरान दोनों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की वर्दी का कॉलर पकड़कर उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया। उक्त प्रकरण में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा पारित दोषमुक्ति के आदेश को चुनौती देते हुए अभियोजन ने अपील प्रस्तुत की थी।

विधायक अनुज शर्मा ने कुम्हारी (ज़ारा) को दी 76.69 लाख के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में धरसीवां विधायक अनुज शर्मा ने आज ग्राम कुम्हारी (ज़ारा) को 76.69 लाख की लागत से बने विभिन्न विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। विधायक अनुज शर्मा ने स्थानीय शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय (मिडिल स्कूल) प्रांगण में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में अपने कर-कमलों से इन निर्माण कार्यों का विधिवत लोकार्पण कर उन्हें ग्रामवासियों को समर्पित किया। इसके साथ ही, पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए विधायक अनुज शर्मा ने 'वृहद वृक्षारोपण अभियान 2026' के अंतर्गत कुम्हारी (ज़ारा) के प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए सभी ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और अपनी संतानों की तरह उनकी देखभाल करने की भावुक अपील की।

गाजे-बाजे और आतिशबाजी से हुआ आत्मीय स्वागत

लोकार्पण कार्यक्रम में पहुँचने पर ग्रामवासियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विधायक अनुज शर्मा का पुष्पहार, गाजे-बाजे और भव्य आतिशबाजी के साथ आत्मीय एवं ऐतिहासिक स्वागत किया। ग्रामीणों के इस अपार स्नेह और उत्साह का विधायक ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया।

'यह सिर्फ ईंट-पत्थर का निर्माण नहीं, बल्कि प्रगति की मजबूत नींव है '—विधायक अनुज शर्मा

इस अवसर पर विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा, 'आज का दिन हमारे ग्राम कुम्हारी (ज़ारा) के लिए बेहद खुशी और गर्व का दिन है। माता महामाया के आशीर्वाद से आज एक साथ लगभग 76.69 लाख की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण हुआ है। जिसमे महामाया मंदिर के पास 3 सामुदायिक भवन निर्माणः लागत 10.00 लाख, शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में शेड निर्माणः लागत 15.00 लाख, मेन रोड से हनुमान मंदिर तक सीसी रोड निर्माणः लागत ?10.00 लाख, नवीन आंगनबाड़ी भवन निर्माणः लागत 11.69 लाख, गौठान में बाउंड्री वॉल निर्माणः लागत 20.00 लाख एवं मुक्तिधाम में सीसी रोड निर्माणः लागत 10.00 लाख के विकास कार्य शामिल है। ये सिर्फ ईंट और पत्थर के निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि यह हमारे कुम्हारी गाँव की प्रगति, यहाँ के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और आप सभी की सुविधाओं की एक मज़बूत नींव है।' उन्होंने विकास की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए आगे कहा, 'धरसीवां विधानसभा के हर गांव का संतुलित और तेज गति से विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आवागमन और सामाजिक आयोजनों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से ग्रामीणों का जीवन स्तर बेहतर होगा।

मुख्यमंत्री साय की पहल से जशपुर को मिली सड़क विकास की बड़ी सौगात

चार ग्रामीण संपर्क मार्गों के निर्माण के लिए 8.44 करोड़ रुपये से अधिक की मिली प्रशासकीय स्वीकृति

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर जशपुर जिले के ग्रामीण अंचलों में सड़क संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य शासन ने वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल जिले के चार महत्वपूर्ण ग्रामीण पहुंच मार्गों के निर्माण कार्यों के लिए कुल 8 करोड़ 44 लाख 68 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इन सड़क निर्माण कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी, साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। शासन की इस स्वीकृति से स्थानीय नागरिकों में खुशी का माहौल है।

राज्य शासन द्वारा जारी स्वीकृति के अनुसार बुलडेगा से रेचवाघाट पहुंच मार्ग के 1.20 किलोमीटर लंबाई के निर्माण कार्य के लिए 1 करोड़ 23 लाख 77 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस मार्ग के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को वर्षभर सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा दैनिक आवागमन में आने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी। इसी प्रकार खुंटापानी से सलियामुड़ा पहुंच मार्ग के 3 किलोमीटर लंबाई के निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 46 लाख 67 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह मार्ग क्षेत्र के कई ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। सड़क निर्माण के बाद शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होगी और कृषि उपज के परिवहन में भी सुविधा मिलेगी। वहीं कोसमभावना से बनगांव पहुंच मार्ग के 1.20 किलोमीटर लंबाई के निर्माण कार्य, जिसमें पुल-पुलिया का निर्माण भी शामिल है। इसके लिए 1 करोड़ 43 लाख 84 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। पुल-पुलिया निर्माण होने से बरसात के दौरान आवागमन बाधित होने की समस्या दूर होगी और ग्रामीणों को पूरे वर्ष सुरक्षित आवागमन का लाभ मिलेगा।इसके अलावा बुलडेगा मेन रोड से सुकबासुपारा होते हुए भिंजपुर पहुंच मार्ग के 2.50 किलोमीटर लंबाई के निर्माण कार्य के लिए 2 करोड़ 30 लाख 40 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति राज्य शासन द्वारा प्रदान की गई है। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के अनेक गांवों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

इन सभी सड़क निर्माण कार्यों के पूर्ण होने के बाद संबंधित क्षेत्रों के लोगों को बेहतर सड़क सुविधा मिलने के साथ-साथ किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी। विद्यार्थियों, मरीजों एवं आम नागरिकों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए लगातार महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और लोगों का जीवन और अधिक सुगम बनेगा।

सीएम हेल्पलाइन में किया कॉल, महज दो दिन में ही दीपक साहू को मिला नई नंबर प्लेट

महासमुंद । आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन लगातार प्रभावी साबित हो रही है। शासन की इस जनहितकारी व्यवस्था के माध्यम से लोगों की शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के बसना विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम बम्हनीडीह निवासी पूनम साहू को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराने के मात्र दो दिन के भीतर ही उनकी कार के लिए नई नंबर प्लेट उपलब्ध करा दी गई। पूनम साहू ने बताया कि नंबर प्लेट नहीं मिलने से उन्हें लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। समस्या का समाधान नहीं होने पर उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होते ही जिला परिवहन विभाग ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए महज दो दिनों में नई नंबर प्लेट उपलब्ध करा दी। साहू ने कहा कि इतनी जल्दी समस्या का समाधान होने की उन्हें उम्मीद नहीं थी।

भारी बारिश के बीच नगर पालिका की त्वरित कार्रवाई, जलभराव वाले क्षेत्रों में किया राहत

नारायणपुर। जिले में लगातार हुई भारी वर्षा के मद्देनज़र कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद नारायणपुर द्वारा नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए व्यापक स्तर पर राहत एवं व्यवस्थागत कार्य किए गए।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी रामचंद्र यादव के मार्गदर्शन में नगर पालिका की टीम ने जलभराव वाले क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई करते हुए जल निकासी, साफ-सफाई तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित ाप गई। भारी बारिश के बावजूद अधिकारी एवं कर्मचारी देर रात तक विभिन्न वार्डों में मुस्तैदी के साथ डटे रहे तथा जलभराव वाले स्थानों से पानी की निकासी कर आमजन की आवाजाही को सुगम बनाया गया।

प्राकृतिक आपदाएं

नगर पालिका द्वारा शहर के सभी वार्डों में जलभराव की स्थिति का निरीक्षण किया गया तथा जहां-जहां पानी जमा हुआ, वहां तत्काल जल निकासी की व्यवस्था की गई। नालियों एवं जल निकासी मार्गों की साफ-सफाई कर वर्षा जल के सुचारु प्रवाह को सुनिश्चित किया गया, जिससे कई स्थानों पर जलभराव की समस्या का त्वरित समाधान हुआ और नागरिकों को राहत मिली।

शीतल ने लाईवलीहुड ट्रेनिंग लेकर हुनर से बदली तकदीर

जगदलपुर । जब उम्मीद का आखिरी चिराग टिमटिमाने लगे, तब इंसान का जज्बा ही उसे तूफानों से बाहर निकालता है। पिता स्वर्गीय फूलचंद बघेल का साया सिर से उठ जाने के बाद शीतल का परिवार गहरे आर्थिक संकट में घिर गया था। शीतल को 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद घर की तंगहाली, बेरोजगारी और भविष्य की चिंता उनके हर दिन को एक नई चुनौती बना रही थी। इसी घने अंधेरे के बीच उनके एक शिक्षक देवदूत बनकर सामने आए, जिन्होंने उनकी मायूसी को समझा और उन्हें जिला प्रशासन की अनूठी पहल जिला परियोजना आजीविका कॉलेज की राह दिखाई। आजीविका कॉलेज आड़ावाल की दहलीज पर कदम रखते ही काउंसलिंग के दौरान शीतल की जिंदगी को एक नया मोड़ मिला। औजारों और बिजली के काम में उनकी रुचि को देखते हुए उन्हें असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन पाठ्यक्रम के लिए चुना गया। इसके बाद शुरू हुआ मेहनत और संघर्ष का असली अध्याय, जहाँ किताबों के साथ-साथ उनके हाथों ने पेचकस, प्लास और बिजली के तार थाम लिए। समाज की रूढ़िवादिता और राह की तमाम मुश्किलों को दरकिनार करते हुए शीतल ने हुनरमंद बनने के लिए दिन-रात एक कर दिया। धीरे-धीरे तारों का उलझा जाल उनके बढ़ते आत्मविश्वास का आधार बन गया और उन्होंने राज्य की कौशल परीक्षा में सफलता का परचम लहराया।

शीतल की इस कड़ी मेहनत का फल उन्हें जगदलपुर के मगध इलेक्ट्रिकल में असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन की नौकरी के रूप में मिला। आज जब उनके हाथों से बिजली का कनेक्शन जुड़ने पर बल्ब की रोशनी से कमरा जगमगाता है, तो वह केवल रोशनी नहीं, बल्कि उनके खुद के जीवन का उजाला होता है।

तेलीमारेंगा के किसान महादेव मौर्य ने धान रोपाई मशीन से उन्नत खेती-किसानी को दी नई दिशा

जगदलपुर । कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों और उन्नत कृषि यंत्रों के बढ़ते उपयोग ने किसानों की राह बेहद आसान कर दी है। इसी कड़ी में तेलीमारेंगा गांव के प्रगतिशील किसान महादेव मौर्य ने इस बार धान रोपाई के लिए आधुनिक राइस ट्रांसप्लांटर (धान रोपाई मशीन) का उपयोग कर पारंपरिक खेती को एक नया मोड़ दिया है। महादेव मौर्य के पास 8 एकड़ पैतृक कृषि भूमि है और उन्होंने 8 एकड़ भूमि लीज (ठेके) पर लेकर कुल 16 एकड़ में खेती की है। इस मौसम में मजदूरों की भारी किल्लत का सामना करना पड़ता है, लेकिन इस नवीन धान रोपाई मशीन के उपयोग से न केवल मजदूरी पर निर्भरता कम हुई है, बल्कि समय की भी भारी बचत हो रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना बनी जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान, लोगों का अपने आशियाने का सपना हो रहा साकार

जशपुरनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए बनी वरदान, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में लोगों को मिल रहा अपना आशियाना जशपुर जिले के तपकरा निवासी सुनील पांडेय कभी कच्चे मकान में अपने परिवार के साथ रहने को मजबूर थे। बरसात के मौसम में घर टपकता था और हर वर्ष परिवार को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत सुनील पांडेय को पक्के आवास की सौगात मिली। योजना से मिली सहायता के माध्यम से उन्होंने अपना पक्का घर बनवाया, जिससे उनके परिवार को सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन जीने का अवसर मिला। सुनील पांडेय बताते हैं कि कच्चे मकान में जीवन काफी कठिन था, लेकिन अब अपना पक्का घर होने से परिवार निश्चिंत होकर रह रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उनके जीवन में नया विश्वास और खुशियां लेकर आई हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना जरूरतमंद परिवारों को केवल पक्का घर ही नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन और सुरक्षित भविष्य भी प्रदान कर रही है।

धान की फसल में कीट प्रबंधन के लिए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्वपूर्ण सलाह

नारायणपुर। खरीफ सीजन में धान की फसल विभिन्न प्रकार के कीटों के प्रकोप से प्रभावित होती है, जिससे उत्पादन के साथ-साथ धान की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस समस्या से किसानों को बचाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), नारायणपुर ने वैज्ञानिक सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान केवल रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भर न रहें, बल्कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती आधारित एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) को अपनाएं। केंद्र ने किसानों को सलाह दी है कि खेत में कीट दिखाई देने पर तुरंत दवा का छिड़काव करने के बजाय पहले नियमित निरीक्षण करें और आर्थिक क्षति स्तर (ईटीएल) के आधार पर ही नियंत्रण के उपाय करें। इससे फसल उत्पादन सुरक्षित रहेगा, खेती की लागत कम होगी, पर्यावरण संरक्षण होगा तथा लाभकारी कीटों और प्राकृतिक शत्रुओं का भी संरक्षण संभव होगा।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने बताया कि धान की फसल में मुख्य रूप से तना छेदक, गंगई (राइस गॉल मिज), भूरा माहू (ब्राउन प्लांट हॉपर) तथा धान का पैनिकल माइट जैसे कीट नुकसान पहुंचाते हैं। इन कीटों की समय पर पहचान और वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रण करने पर फसल को भारी नुकसान से बचाया जा सकता है।

तना छेदक से फसल को सबसे अधिक नुकसान :

तना छेदक की सूंडियां धान के तने के भीतर प्रवेश कर पौधे को अंदर से खोखला कर देती हैं। प्रारंभिक अवस्था में पौधे की मध्य पत्ती सूख जाती है जिसे डेड हार्ट कहा जाता है। बाद में बालियां निकलने पर वे सफेद एवं खाली रह जाती हैं, जिसे व्हाइट ईयर कहा जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार

यदि खेत में लगभग 5 प्रतिशत डेड हार्ट अथवा 2 प्रतिशत व्हाइट ईयर दिखाई दें तो तुरंत नियंत्रण उपाय शुरू कर देना चाहिए। इसके लिए प्रभावित पौधों को निकालकर नष्ट करना, ट्राइकोग्रामा जैपोनिकम जैसे जैव परजीवी का उपयोग करना, फेरोमोन ट्रैप लगाना, 5 प्रतिशत नीम बीज कर्नेल अर्क अथवा अजादिरैक्टिन का छिड़काव करना तथा नाइट्रोजन उर्वरक का संतुलित उपयोग करना प्रभावी उपाय हैं। अत्यधिक प्रकोप होने पर ही अनुशंसित रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग करना चाहिए।

गंगई कीट के प्रकोप से धान के पौधों में सामान्य पत्तियों के स्थान पर चांदी जैसी नलीनुमा संरचना विकसित होती है जिसे सिल्वर शूट कहा जाता है। ऐसे पौधों में सामान्य बालियां विकसित नहीं हो पातीं। कृषि विज्ञान केंद्र ने बताया कि प्रति वर्ग मीटर एक सिल्वर शूट अथवा लगभग 5 प्रतिशत सिल्वर शूट दिखाई देने पर नियंत्रण आवश्यक है। किसानों को प्रतिरोधी किस्मों का चयन, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, 5 प्रतिशत नीम घोल का छिड़काव, प्राकृतिक शत्रुओं का संरक्षण तथा उचित फसल चक्र अपनाने की सलाह दी गई है। आवश्यकता पड़ने पर ही अनुशंसित रासायनिक नियंत्रण अपनाने को कहा गया है।

भूरा माहू धान के पौधों के तने के निचले भाग से रस चूसता है। अधिक प्रकोप होने पर पौधे सूख जाते हैं और ष्हॉपर बर्नष् की स्थिति बन जाती है। यदि प्रति पौधा 10 से 20 कीट दिखाई दें तो नियंत्रण उपाय शुरू कर देना चाहिए। इसके लिए खेत से 3-4 दिनों तक पानी निकालना, नाइट्रोजन उर्वरक का संतुलित उपयोग, मिरिड बग एवं मकड़ियों जैसे प्राकृतिक शत्रुओं का संरक्षण, लाइट ट्रैप का उपयोग तथा नीम आधारित जैव उत्पादों का प्रयोग करने की सलाह दी गई है। वैज्ञानिकों ने अनावश्यक कीटनाशकों के प्रयोग से बचने की भी सलाह दी है क्योंकि इससे प्राकृतिक शत्रु नष्ट हो जाते हैं और माहू का प्रकोप और बढ़ सकता है।

घर और ऑफिस में बुजुर्गों की देखभाल के लिए हमें ट्रेनिंग की जरूरत है

73 वर्षीय रिटायर्ड कारोबारी शरद कदम मुंबई के वर्सोवा में अकेले रहते हैं। उनकी पत्नी और बेटा कनाडा में हैं। 25 जुलाई की सुबह करीब 9 बजे कार चलाते वक्त उन्हें स्ट्रोक आया और कथित तौर पर वे नियंत्रण खोकर दूसरी कार से हल्का-सा टकरा गए।

दुर्घटना के बाद उनकी लड़खड़ाती आवाज सुनकर आसपास के लोगों को लगा कि वे नशे में हैं। वहां मौजूद पुलिसकर्मी ने भी उन लोगों की बात पर भरोसा कर लिया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने के संदेह में उन्हें कथित तौर पर पांच घंटे तक पुलिस स्टेशन में रखा गया। नतीजतन, उनके इलाज के सबसे महत्वपूर्ण घंटे निकल गए और वे आंशिक रूप से पैरालाइज्ड हो गए। बताया जाता है कि उनके इलाज में 12 घंटे की देरी हुई और तभी से वे आईसीयू में हैं।

कानून के मुताबिक, शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामलों में पुलिस को सबसे पहले संदिग्ध को ब्लड अल्कोहल टेस्ट के लिए अस्पताल ले जाना होता है, न कि पुलिस स्टेशन। एक ओर पुलिस का दावा है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद उन्हें सरकारी कूपर अस्पताल में ब्लड अल्कोहल टेस्ट के लिए ले जाया गया, वहां डॉक्टरों ने बताया कि वे शराब पिए हुए हैं।

दूसरी ओर, उनकी एक वकील रिश्तेदार पुलिस स्टेशन पहुंचीं तो देखा कि कदम गिर पड़े थे। उन्होंने उनकी लड़खड़ाती आवाज सुनकर मेडिकल हेल्प मांगी, लेकिन पुलिस कहती रही कि वे नशे में हैं। रिश्तेदार और पुलिस के बीच इसी बहस के कारण मेडिकल असिस्टेंस में और देरी हुई और उनका दाहिना हिस्सा पैरालाइज्ड हो गया। फिर रात 8 बजे कदम को नानावटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां दूसरे टेस्ट में सामने आया कि उनके ब्लड में अल्कोहल नहीं है। कूपर अस्पताल की रिपोर्ट आना अभी बाकी है।

यह घटना महाराष्ट्र जैसे राज्य को लेकर एक बहस छेड़ती है, जहां 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या बढ़ रही है। जहां अधिकारियों को नहीं पता कि बुजुर्ग आबादी को कैसे संभाला जाए, वहीं आम लोग भी इससे उतने ही अनजान हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो मेडिकल इमरजेंसी के बाद बाथरूम या कहीं और गिरना बुजुर्गों के घायल होने की सबसे बड़ी वजह है। टोरंटो के आर्किटेक्ट लॉयड ऑल्टर कहते हैं कि 'कुछ बाथरूम तो किलर बाथरूम कहे जा सकते हैं, क्योंकि वे गीले, स्लिपरी, कीटाणुओं भरे होते हैं और उनमें लगे फिक्सचर भी जान लेने को उतारू दिखते हैं।'

जब उनसे पूछा गया कि कौन-से फिक्सचर? तो उन्होंने कहा कि फ्री-स्टैंडिंग बाथटब उनमें से एक हैं। ये मैगजीन में तो बेहद आकर्षक दिखते हैं और चुस्त-दुरुस्त लोगों के लिए ठीक हैं, लेकिन बुजुर्गों के लिए खतरनाक हो सकते हैं।

इसीलिए मैं जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में एक होटल में हुए हादसे के बाद दशकों से बाथटब के इस्तेमाल से बचता रहा हूं। वहां बाथटब के किनारे बेहद पतले और गोल थे और बाहर निकलते हुए मैं स्लिप हो गया था।

अगर आपके घर में भी बुजुर्ग हैं तो वहां स्टॉल शॉवर होना चाहिए, लेकिन शॉवर का टैप कंट्रोल उसी के नीचे नहीं होना चाहिए। क्योंकि, अगर वे फिसले तो उनका सिर कंट्रोल्स से टकरा सकता है। लेकिन किसी भी घर में देख लीजिए, ये कंट्रोल्स ठीक शॉवर के नीचे ही होते हैं।

दुनिया में गिर कर होने वाली मौतों की संख्या बहुत ज्यादा है, भले ही यह स्ट्रोक या कैंसर जितनी न हो। बाथरूम के फर्श भी ऐसे हादसों के दूसरे बड़े कारण हैं। फर्श की फिसलन घर में होने वाले कई हादसों का बड़ा कारण बनती है।

तीसरी वजह है कि जब कोई बुजुर्ग सिटिंग पोजिशन से अचानक उठ जाते हैं तो उन्हें 'ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन' हो जाता है, यानी टॉयलेट पॉट से अचानक उठने पर ब्लड-प्रेशर तेजी से गिर जाता है। लॉयड कहते हैं कि 'जब मैगजीनों में भविष्य के बाथरूम दिखाए जाते हैं तो वे आज के ही बाथरूम होते हैं। उनमें बस कुछ गैजेट्स और कनेक्टिविटी जोड़ दी जाती है।'

फंडा यह है कि जब लोगों की उम्र ज्यादा लंबी हो रही है तो हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने बुजुर्गों की ठीक से देखभाल करें, चाहे वह घर हो या सड़क।

एक रजत पदक के पीछे एक निःस्वार्थ मित्रता की कहानी

ग्लासगो की उस सर्द रात में सर्वेश कुशारे ऊंची छलांग लगा रहे थे और ऐसा लग रहा था मानो उनके साथ भारत भी नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा हो।

हम खेलों को क्यों फॉलो करते हैं? वे हमें क्या सिखाते हैं? क्या खेल हमेशा केवल पदक जीतने और रिकॉर्ड तोड़ने तक ही सीमित होते हैं? या फिर इनके भीतर कोई गहरी अंतर्कथा और ऐसा जीवन-सूत्र भी छिपा होता है, जो हम सभी को प्रेरित कर सके? क्या प्रतिस्पर्धी खेलों में सामूहिक भावना सामने आती है? खेल भावना, टीमवर्क और खेल की नैतिकता- क्या ये वास्तव में अस्तित्व रखते हैं?

सच यह है कि जब हम खेल देखते हैं, तो केवल पदक जीतने वाला प्रदर्शन ही नहीं देखते, उसके पीछे की कहानी का भी महत्व होता है। और उन कहानियों का भी जो अकसर सामने ही नहीं आ पातीं। यही कारण है कि हमें केवल उस विजेता का ही उत्सव नहीं मनाना चाहिए, जिसके गले में पदक हो, बल्कि उस पूरी प्रक्रिया और तैयारी का भी अभिवादन करना चाहिए, जिसने उसे वहां पहुंचाया।

ग्लासगो में सर्वेश को भारत के लिए ऊंची कूद का दुर्लभ पदक जीतते देखते समय ये तमाम बातें मेरे जेहन में घूम रही थीं। 2.25 मीटर की उनकी छलांग उन्हें रजत पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रही और 2026 में उनके शानदार प्रदर्शन का सिलसिला भी जारी रहा। राष्ट्रीय रिकॉर्ड 2.31 मीटर की छलांग, डायमंड लीग में तीसरा स्थान और फिर राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक- 31 वर्षीय सर्वेश लगातार बाधाओं को चुनौती दे रहे हैं और साबित कर रहे हैं कि उम्र केवल एक संख्या है।

लेकिन यह कहानी केवल सर्वेश की नहीं है। वे पदक विजेता थे, सफलता के प्रतीक थे, लेकिन इस कहानी के एक और नायक भी थे। वे- जो उस रात लक्ष्य से पीछे रह गए थे, लेकिन उन्होंने निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। इसके बजाय, वे पूरे समय वहीं डटे रहे, ताकि सर्वेश का सपना साकार हो सके। उन्होंने उनका उत्साह बढ़ाया, उन्हें सलाह दी, उनका मार्गदर्शन किया और जब भी जरूरत पड़ी, सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में उनका हाथ थामे रखा। ऐसा करते हुए उन्होंने अपनी भावनाओं को दबा लिया और अपने टूटे मन को कभी सामने नहीं आने दिया। उनके आंसू इसलिए थम गए थे, क्योंकि टीजे (तेजस्विन शंकर) उस पल को सर्वेश के लिए जी रहे थे। यदि सच्चे टीमवर्क का कोई उदाहरण देखना हो, तो वह स्कॉट्सटाउन स्टेडियम में देखने को मिला, जहां सर्वेश और टीजे ने उत्कृष्टता की साझा तलाश में एक-दूसरे का साथ दिया और देश को रजत पदक दिलाया।

खेल के बाद मुझे होटल में टीजे और सर्वेश से मिलने का अवसर मिला। रिसेप्शन पर मौजूद कर्मचारी ने टीजे से पूछा कि क्या उन्होंने कोई पदक जीता है। कुछ क्षणों के लिए सन्नाटा छा गया। फिर टीजे ने शांत स्वर में कहा, मैं नहीं जीत पाया, लेकिन मेरे दोस्त ने जीता है। मैं उसके लिए खुश हूं। रिसेप्शनिस्ट स्तब्ध रह गया, जबकि टीजे मुस्कराए और वहां से आगे बढ़ गए।

वह केवल मुझे यह नहीं बता रहा था कि परिस्थितियों के अनुसार खुद को कैसे ढालना है, बल्कि वह मेरे वार्म-अप, रन-अप और तकनीक पर भी लगातार नजर रख रहा था और हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन कर रहा था।

मुझे उसके लिए दुःख हुआ, क्योंकि मुझे विश्वास था कि वह भी पदक जीत सकता है। लेकिन उसने एक पल के लिए भी मुझे यह महसूस नहीं होने दिया कि वह निराश है। वह पूरे समय मेरे साथ खड़ा रहा। ऐसा लग रहा था मानो वह मेरे साथ ही छलांग लगा रहा हो। हमें अकसर बताया जाता है कि अंतरराष्ट्रीय खेलों की दुनिया अकेले की यात्रा होती है। यह कि शीर्ष खिलाड़ी बेहद निर्मम होते हैं और बड़ी प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा की भावना ही सबसे ऊपर होती है। लेकिन यहां ऐसा नहीं था। कम-से-कम राष्ट्रमंडल खेलों में सर्वेश और टीजे के मामले में तो बिल्कुल नहीं।

वहां जो देखने को मिला, वह दुर्लभ था, हर भारतीय को प्रेरणा लेनी चाहिए। भारतीय एथलेटिक्स और भारतीय ओलिम्पिक खेलों की अकसर आलोचना होती है, लेकिन कुछ पल ऐसे होते हैं, जो पदक जीतने के बाद भी देर तक स्मृतियों में बने रहते हैं। यह भी ऐसा ही पल था। जब आप टीजे और सर्वेश से बात करते हैं, तो एहसास होता है कि यह सब पूरी तरह वास्तविक था। बेहद मानवीय। खेलों के सर्वश्रेष्ठ स्वरूप की याद दिलाने वाला।

जब हम खेल देखते हैं, तो केवल पदक जीतने वाला प्रदर्शन ही नहीं देखते, उसके पीछे की कहानी का भी महत्व होता है। और उन कहानियों का भी जो अकसर सामने नहीं आ पातीं। ग्लासगो में हमने यही अपनी आंखों के सामने घटते देखा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जनता की स्मृतियों में जिंदा हैं जिम कॉर्बेट

प्रकृति के सजग चितेरे, वन्यजीव विज्ञानी, शिकार कथाओं के लेखक और प्रसिद्ध शिकारी जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट यानी जिम कॉर्बेट का 25 जुलाई को 151वाँ जन्मदिन है। जिम कॉर्बेट भले ही शारीरिक रूप से अब दुनिया में नहीं हैं। उन्होंने 79 वर्ष पहले भारत को अलविदा कह दिया था। 71 वर्ष पूर्व उनकी आत्मा अनंत में विलीन हो चुकी है। इसके बावजूद अपनी नेकदिली और भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट भारत के सामाजिक जीवन का अटूट हिस्सा बने हुए हैं। जिम कॉर्बेट को मानवीय गुणों से सुसंपन्न, भारत एवं भारत के गरीबों के आत्मीय दोस्त और शुभचिंतक के रूप में आज भी याद किया जाता है। जिन लोगों ने जिम कॉर्बेट को कभी देखा नहीं, वे भी गरीबों से अगाध प्रेम करने वाले नेक दिल इंसान के रूप में जिम के प्रति श्रद्धा रखते हैं, प्रतिवर्ष उनका जन्मदिन और पुण्यतिथि मनाते हैं। जिम की उदारता के लिए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट के पुरखे मूलतः आयरिश नागरिक थे। कॉर्बेट का कुटुंब तीन पीढ़ियों तक भारत में रहा। जिम कॉर्बेट का जन्म 25 जुलाई,1875 को नैनीताल में हुआ था। इस दृष्टि से वे जन्म से भारतीय थे। संस्कारों से भी। जिम के पिता का नाम क्रिस्टोफर विलियम कॉर्बेट था। वे नैनीताल के हेड पोस्ट ऑफिस में पोस्ट मास्टर थे। उनकी माँ का नाम मैरी जेन कॉर्बेट था।

जिम, क्रिस्टोफर विलियम कॉर्बेट और मैरी जेन की आठवीं, क्रिस्टोफर विलियम कॉर्बेट की ग्यारहवीं जबकि मैरी जेन की बारहवीं संतान थे।

जिम कॉर्बेट की ख्याति एक कुशल शिकारी और शिकार कथाओं के रूप में है, लेकिन यह उनके व्यक्तित्व का अधूरा पक्ष है। वे अचूक निशानेबाज तो थे ही, इसी से उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। इसके इतर वे गरीबों के प्रति अत्यधिक उदार और मानवीय गुणों से भरे संवेदनशील भलमानुष भी थे। उन्होंने अनेक बार स्वयं के जीवन को गंभीर संकट में डालकर मानव जीवन की रक्षा की। गरीबों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहे। इसी भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट के जन्म से ईसाई होने के बावजूद उत्तराखंड की धर्मभीरू जनता ने उन्हे 'गोरा साधु' की संज्ञा दी थी।

जिम कॉर्बेट ने स्वयं संघर्षपूर्ण जीवन जिया। व्यक्तिगत जीवन में अनेक संकट झेले, लेकिन जनता के व्यापक हित में अपने निजी और पारिवारिक कष्टों को नजरअंदाज कर दिया। जिम कॉर्बेट ने करीब डेढ़ हजार लोगों को मारने के लिए जिम्मेदार दर्जन भर से अधिक खूंखार नरभक्षियों का अत्यंत साहस और बहादुरी के साथ मुकाबला किया। अपने प्राणों की परवाह किए बिना नरभक्षियों से लड़े। जिन आदमखोरों के सामने देश- विदेश के अनेक नामचीन निशानेबाजों ने हथियार डाल दिए थे, जिम कॉर्बेट ने अकेले उनका खात्मा कर उत्तराखंड के निवासियों को नरभक्षियों के आतंक से मुक्ति दिलाई। नरभक्षियों को ठिकाने लगाने में उनके द्वारा दिखाए गए अदम्य साहस को देखते हुए उत्तराखंड का जनमानस जिम कॉर्बेट को चमत्कारिक शक्ति से संपन्न व्यक्ति मानता था।

जिम कॉर्बेट के जीवन का अधिकांश हिस्सा कुदरत के निकट सान्निध्य में बीता। उन्होंने जंगल को अपने भीतर सोख लिया था। उनका संपूर्ण जीवन प्रकृति के सूक्ष्म और गहन रहस्यों को जानते और आत्मसात करने में बीता। स्वअर्जित जंगल ज्ञान के बूते ही वे प्रकृति के ज्ञाता बने और दुर्दांत नरभक्षियों को मारने में सफल हुए।

जिम कॉर्बेट का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे प्रकृति विज्ञानी, वन्यजीव विशेषज्ञ एवं मशहूर शिकारी थे साथ ही वन्यजीव रक्षक भी। उन्होंने रेलवे में नौकरी की। सेना में भी सेवाएं दी। जिम कॉर्बेट को सेना में कर्नल की पदवी से नवाजा गया था। वे लोकप्रिय जनप्रतिनिधि भी रहे। जिम कॉर्बेट ने 1907 से 1940 के कालखंड में नैनीताल नगर पालिका के सदस्य, उपाध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन किया। वे ठेकेदार भी थे और संपत्ति एजेंट भी। जिम सिद्धहस्त लेखक भी थे और प्रसिद्ध वन्यजीव फोटोग्राफर भी। जिम की तत्कालीन अंग्रेज शासकों के साथ निकटता भी थी और वे भारत के गरीबों के अजीज दोस्त एवं हमदर्द भी थे। जिम कॉर्बेट के व्यक्तित्त्व का सबसे उजला पक्ष था- उनकी दानशीलता और गरीबों के प्रति आत्मीयता।

1893 से 1914 के दौरान मोकामाघाट में रेलवे की नौकरी के कालखंड को छोड़कर जिम कॉर्बेट का अधिकांश जीवन नैनीताल और कालाढूंगी में ही बीता। जिम कॉर्बेट भारत भूमि और भारत के गरीबों से बेपनाह मोहब्बत करते थे। जिम कॉर्बेट ने अपनी बहुचर्चित किताब 'माय इंडिया' हिंदुस्तान के गरीबों को समर्पित की है। जिम कॉर्बेट ने 'माय इंडिया' की प्रस्तावना में लिखा है:- 'जिस हिंदुस्तान को मैं जानता हूँ, उसमें चालीस करोड़ लोग रहते हैं, जिनमें से नब्बे फीसदी लोग सीधे- सादे, ईमानदार, बहादुर, वफादार और मेहनती हैं,जिनकी रोजाना की इबादत- ऊपर वाले से और जो भी सरकार गद्दी पर हो, से यही रहती है कि उनकी जान-माल की सलामती बनी रहे और वो अपनी मेहनत का फल अच्छे से खा सकें। हिंदुस्तान के ये वो लोग हैं, जो निपट गरीब हैं और जिन्हें अक्सर 'हिंदुस्तान के करोड़ों अधपेटे' कहा जाता है। ये वे लोग हैं जिनके बीच मैं रहा हूँ और जिनसे मैं मोहब्बत करता हूँ। यही वो लोग हैं जिनके बारे में बताने की कोशिश मैं इस किताब के पन्नों में करूँगा,और यह किताब मैं अपने उन्हीं दोस्तों के नाम करता हूँ। हिंदुस्तान के गरीबों के नाम।'

जिम कार्बेट और उनकी बहन मारग्रेट विनिफर्ड 'मैगी' ने 30 नवंबर, 1947 को भारी मन से नैनीताल को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था। वे रोते-बिलखते सेवकों को छोड़कर केन्या की ओर चल पड़े। जिम कॉर्बेट और मैगी कभी नैनीताल नहीं छोड़ना चाहते थे।

हम पराये लोगों की कहानियों में भी अपना कुछ ढूंढ लेते हैं

मैं साहित्य पढ़ाती हूं किंतु साहित्य से मेरा रिश्ता कब और कैसे जुड़ा? इस सवाल पर गौर करते हुए मुझे याद है वह वाकया जब मैं मुश्किल से दस-बारह साल की थी। सिंधी घर की एक सांवली लड़की- जिसके बारे में मां कहती रहती- 'रीटा सांवरी आ'।

पिताजी को लगा होगा बेटी का आत्मविश्वास टूट जाएगा, इसलिए मुझे एलिजाबेथ बेनेट के बारे में बताने लगे। एलिजाबेथ जेन ऑस्टन के नॉवेल 'प्राइड एंड प्रिजुडिस' की किरदार है। वह सामान्य घर की लड़की है और सामान्य दिखती है पर उसके आत्मविश्वास की क्या कही जाए! पिताजी का यह कहानी सुनाना मेरे लिए एक बीज बन गया।

पिता मुझे स्मिता पाटिल की फिल्म 'मंथन' भी दिखाने ले गए और कहने लगे कि देखा उनकी आंखों में कितनी तीव्रता है? यह भी सौंदर्य है। इन मिसालों को मैं भूल-सी गई थी किंतु बात करते-करते हर बात याद आती है। कहानियों के किरदार जीवन में दोस्त बन जाते हैं। काल्पनिक दुनिया का वास्तविक दुनिया पर भी गहरा असर होता है- इस बात में मुझे बड़ी आस्था है।

हम आजकल साहित्यकारों को सेलेब्रिटी की तरह देखते हैं, उन्हें उत्सवों में सुनने जाते हैं, किंतु साहित्य के जो बुनियादी सवाल हैं उनके बारे में ज्यादा सोचते नहीं हैं। पराये लोगों और पराई संस्कृति को जानना क्यों जरूरी है?

हमारे निज का परायों से क्या रिश्ता है? काल्पनिक पात्र कब हमारे बीच आ बसते हैं और उनसे हमारी जिंदगियां या उन्हें देखने के नजरिये कैसे बदलते हैं- यह चर्चाएं क्या पुरानी हो गई हैं इसलिए अब नहीं होतीं? या फिर साहित्य के साथ हमारे रिश्ते में अब ठहराव नहीं है? कई बार यह भी होता है कि हम मुख्य पात्र को छोड़कर किसी और से आकर्षित हो जाते हैं।

मिसाल के तौर पर मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास 'गोदान' में मुझे होरी नहीं, गोबर अधिक पसंद आया। उसका रोष, उसकी बेचैनी और शहर जाकर एक मजदूर के उसके अनुभव ज्यादा याद रह गए। मैं आपको अनन्तमूर्ति के उपन्यास 'संस्कार' के बारे में भी बताना चाहूंगी।

इसमें मुख्य भूमिका प्रणेशाचार्य की है। वेदों का ज्ञान, नीति, धर्म, जवाबदारी के प्रतीक- प्रणेशाचार्य एक खूब शांत, सुशील और प्रभावशाली नायक हैं। उन्होंने पूरी जिंदगी अपनी अपाहिज और बीमार धर्मपत्नी भगीरथी की सेवा की। लेकिन एक दलित स्त्री चंद्री से सम्बन्ध बनाकर वे अपनी नजरों में गिर जाते हैं और चल पड़ते हैं अकेले सब छोड़कर, ताकि पश्चाताप करें और अपने आप से पूछें कि इस घोर पाप को कैसे समझा जाए।

किंतु रास्ते में उन्हें एक खूब बातूनी आदमी मिलता है, जिसका नाम है पुट्टा। वह जिंदगी के हर रस को चखने में विश्वास करता है और शुद्धि-अशुद्धि से उसके विचार परे हैं। उसकी बातें प्रणेशाचार्य को घेर लेती हैं।

मुझे वह पात्र खूब जंचा- जीवन के करीब लगा। ऐसा बातूनी ही तो है जीवन, जो अकेला-तनहा नहीं छोड़ता। पुट्टा प्रणेशाचार्य से कहता है, मैं किसी बीते हुए जन्म का कोई पाप हूं जो आपसे चिपक गया हूं। मैं इस बात को भूल नहीं पाई कि जब-जब हम सोचते हैं कि हमें अकेले अपने मसलों पर गौर करना है, हमारे आस-पास की आवाजें साथ होती हैं।

'संस्कार' की याद मेरे लिए प्रणेशाचार्य का संयम नहीं, पर पुट्टा की बातों से सत्य बनता है। हम पराये लोगों की कहानियों में अपना कुछ ढूंढ लेते हैं- एक छोटी-सी बात, जो शायद लेखक ने भी न सोची हो। यह पाठक की स्वतंत्रता है जिसकी चर्चा का अब अवकाश नहीं रहा। साहित्य एक पदार्थ बन गया है, चिंतन का मौका नहीं रहा। जब अंतर तक जाकर स्मृतियां बन जाती हैं, तब साहित्य के बुनियादी फायदे महसूस होते हैं।

मैं बताना भूल गई कि 'प्राइड एंड प्रिजुडिस' का गुजराती अनुवाद पढ़ कर मुझे पिताजी ने कहानी सुनाई थी। हमारे घर अंग्रेजी की किताबें नहीं थीं। शायद इसी से मेरा अनुवाद से इतना गहरा रिश्ता है- दूर बसे लोगों से अनुवाद द्वारा बात होती है। फिर यह भी जाना कि पास रहते लोगों को समझने के लिए भी अनुवाद ही जरिया है।

तमिल-मलयालम साहित्य को मैंने ऐसे ही जाना है। अनुवाद सिर्फ भाषाओं का नहीं होता, वह एक जिंदगी को दूसरी में अनूदित करने की क्रिया भी है। इस पूरी बात में निज क्या और पराया क्या- कहां स्वयं पूरा होता है और दूजा शुरू होता है- इन सवालों पर आकर ठहर-सी गई हूं।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

घर में रसोईघर और पूजाघर के महत्व को भी समझें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

आधुनिक जीवनशैली में घरों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। आज लोग अपने घरों को आकर्षक फर्नीचर, आधुनिक तकनीक और सुंदर सजावट से सुसज्जित कर रहे हैं। विशेषकर नई पीढ़ी अपने फ्लैट और घरों को बेहद आधुनिक ढंग से डिजाइन कर रही है। यह बदलाव समय की आवश्यकता भी है, लेकिन इस दौड़ में घर के दो सबसे महत्वपूर्ण स्थान—रसोईघर और पूजाघर—का महत्व कहीं न कहीं कम होता दिखाई दे रहा है। जबकि भारतीय संस्कृति में इन्हें केवल घर का हिस्सा नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति का केंद्र माना गया है।

जीवन में शांति, संतुलन और आत्मिक आनंद की तलाश हर व्यक्ति को रहती है। चाहे वह किसी भी पीढ़ी का हो, मन की शांति के बिना सुख-सुविधाएं भी अधूरी लगती हैं। ऐसे में रसोईघर और पूजाघर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। रसोईघर वह स्थान है जहां केवल भोजन नहीं बनता, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य, ऊर्जा और प्रेम का आधार तैयार होता है। वहीं पूजाघर वह स्थान है जहां व्यक्ति ईश्वर से जुड़कर अपने मन को शांत करता है, आत्मबल प्राप्त करता है और जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणा हासिल करता है।

वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और तेज़ी से बदलती जीवनशैली का युग है। इसके साथ ही तनाव, अकेलापन और मानसिक अशांति जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। कोरोना महामारी ने यह भी सिखाया कि जीवन में केवल भौतिक संसाधन पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक मजबूती भी उतनी ही आवश्यक है। ऐसे समय में घर के ये दोनों पवित्र स्थान व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाने का कार्य करते हैं।

जब भी हम रसोईघर में प्रवेश करें, भोजन को केवल पेट भरने का साधन न मानें, बल्कि उसे ईश्वर का प्रसाद समझकर सम्मान दें। भोजन बनाते और ग्रहण करते समय सकारात्मक भाव रखें, क्योंकि हमारे विचार भी भोजन की ऊर्जा को प्रभावित करते हैं। इसी प्रकार पूजाघर में प्रवेश करते समय मन को शांत करें, कुछ क्षण ध्यान, प्रार्थना या मंत्र-जप में बिताएं। यदि उस समय मन विचारों के शोर से मुक्त हो जाए, तो मंत्रों की शक्ति और अन्न की पवित्रता जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, संतुलन और आत्मविश्वास का संचार करती है।

घर तभी पूर्ण माना जाता है, जब उसमें आधुनिक सुविधाओं के साथ आध्यात्मिक चेतना और संस्कारों का भी स्थान हो। इसलिए रसोईघर और पूजाघर को केवल वास्तु का हिस्सा नहीं, बल्कि जीवन को स्वस्थ, शांत और सकारात्मक बनाने वाले दो महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में समझना और सम्मान देना चाहिए।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

राम के स्वभाव के प्रति कैकेई के मन में अत्यंत भरोसा था। भगवान के स्वभाव तथा उनकी उदारता के प्रति हमारे मन में जब भरोसा होता है तभी उनके प्रति प्रेम रहता है। लेकिन कैकेईजी के मन में मंथरा ने यह बात बिठा दी कि तुम्हारे प्रति राम का प्रेम अब नहीं है अब तो राम पूरी तरह से बदल गए हैं। और जब कैकेई अत्यंत निराश होकर क्रोध में कांपने लगी तो मंथरा ने उनसे कहा कि आप चिंता क्यों करती हैं ? मेरे रहते हुए आपको चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। बस मैं जैसा-जैसा कहती जाऊं आप वैसा-वैसा कीजिए। आगे चलकर मंथरा ने कैकेईजी से जिस प्रकार कर्म करने के लिए कहा उनमें गीता का वह पूरा क्रम आ गया है, जिसमें भगवान कृष्ण यह

बतलाते हैं कि व्यक्ति के जीवन में यह बुराइयां कैसे आती हैं। उसका बड़ा सांकेतिक वर्णन करते हुए भगवान कृष्ण गीता में कहते हैं कि अर्जुन ! विषयों का चिंतन करते हुए पुरुष में उनके प्रति आसक्ति उत्पन्न होती है, आसक्ति से अभिलाषा उत्पन्न होती है, तथा अभिलाषा (कामना) पूरी न होने पर व्यक्ति को क्रोध आता है। क्रोध के कारण अविवेक उत्पन्न होता है। अविवेक से कर्तव्य का स्मरण नहीं रहता। कर्तव्य का विस्मरण होने से बुद्धि नष्ट होती है। और बुद्धि नष्ट होने से मनुष्य का पतन हो जाता है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

3 अगस्त को सीएम हाउस घेराव करेगी कांग्रेस:महंगी बिजली के खिलाफ कांग्रेस का बड़ा आंदोलन: 1 से 3 अगस्त तक प्रदेशभर में होगा प्रदर्शन

रायपुर। प्रदेश में बढ़ते बिजली बिल को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में कहा कि कांग्रेस 1 से 3 अगस्त तक पूरे प्रदेश में तीन दिवसीय चरणबद्ध आंदोलन चलाएगी। जिला मुख्यालयों पर प्रेसवार्ता, घर-घर जनसंपर्क और आवेदन अभियान के बाद 3 अगस्त को मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा।

बैज ने कहा कि प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को लगातार अधिक बिल मिल रहे हैं। स्मार्ट मीटर और बिजली दरों में बढ़ोतरी से आम लोगों का घरेलू बजट बिगड़ गया है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर गांव-गांव और शहर-शहर लोगों के बीच जाएगी और सरकार के खिलाफ जनमत तैयार करेगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछले कई महीनों से महंगी बिजली और स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर आंदोलन कर रही है। अब इसे प्रदेशव्यापी अभियान का रूप दिया जा रहा है, ताकि हर उपभोक्ता अपनी बात सरकार तक पहुंचा सके।

तीन दिन तक ऐसे चलेगा आंदोलन

1 अगस्त को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रेसवार्ता करेंगे। इसमें महंगी बिजली, बढ़े हुए बिजली बिल और स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायतों को सामने रखा जाएगा।

2 अगस्त को कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर पहुंचेंगे। बिजली उपभोक्ताओं से संपर्क कर महंगे बिजली बिल और स्मार्ट मीटर के खिलाफ आवेदन भरवाए जाएंगे। इन आवेदनों के जरिए सरकार पर बिजली दरों की समीक्षा और उपभोक्ताओं को राहत देने का दबाव बनाया जाएगा।

3 अगस्त को प्रदेशभर से कांग्रेस कार्यकर्ता रायपुर पहुंचेंगे और मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे। कांग्रेस का दावा है कि इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और बिजली उपभोक्ता शामिल होंगे।

बैज ने कहा कि कांग्रेस जनता की आवाज बनकर यह लड़ाई लड़ रही है। यदि सरकार बिजली दरों और बढ़े हुए बिलों पर राहत नहीं देती है, तो आंदोलन को आगे और तेज किया जाएगा।

किराए पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।

संपर्क-9302222222

बीमारी से ठीक होने के 28 दिन के भीतर मौत

SBI ने इंश्योरेंस देने से किया इनकार, उपभोक्ता आयोग बोला- ये गलत, जुर्माना भी लगाया

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने उपभोक्ता हित में बड़ा फैसला सुनाते हुए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की अपील खारिज कर दी है। आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग, कोरबा के आदेश को बरकरार रखा है।

आयोग ने कहा कि बीमा पॉलिसी में बीमारी का पता चलने के बाद 28 दिन तक जीवित रहने की शर्त उपभोक्ताओं के अधिकारों के खिलाफ है। आयोग ने इस शर्त को अनुचित और अन्यायपूर्ण बताया। साथ ही इसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 48 के तहत अनुचित अनुबंध माना।

यह मामला अनीता सिंह और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड सहित अन्य पक्षों के बीच का है।

शिकायतकर्ता अनीता सिंह ने जिला उपभोक्ता आयोग, कोरबा में शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि उनके पति अभय

राज सिंह की मृत्यु के बाद समूह बीमा योजना के तहत करीब 10 लाख रुपए के बीमा दावे को कंपनी ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि बीमित व्यक्ति बीमारी के निदान के बाद 28 दिन तक जीवित नहीं रहे।

शिकायत में यह भी कहा गया कि बैंक की संबंधित शाखा ने बिना कोई सूचना दिए और बिना किसी सही कारण के उनके सेविंग अकाउंट पर रोक लगा दी। इससे वे अपने अकाउंट में जमा पैसे और हर महीने मिलने वाली पेंशन का इस्तेमाल नहीं कर सके। शिकायतकर्ता ने इसे बैंक की लापरवाही और गलत कार्यप्रणाली बताया।

सुनवाई के दौरान बैंक ने आयोग को बताया कि शिकायतकर्ता का खाता कभी फ्रीज नहीं किया गया और लगाए गए आरोप निराधार हैं। वहीं, बीमा कंपनी ने दलील दी कि पॉलिसी की शर्तों के अनुसार यदि बीमारी के निदान के बाद बीमित व्यक्ति 28 दिन तक जीवित नहीं रहता है तो बीमा दावा देय नहीं होता।

कंपनी ने अपने पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि बीमा अनुबंध की शर्तें दोनों पक्षों पर समान रूप से लागू होती हैं।

आयोग ने क्यों खारिज की अपील?

राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया और सदस्य प्रमोद कुमार वर्मा की पीठ ने कहा कि 28 दिन तक जीवित रहने की शर्त बीमा अनुबंध के मूल उद्देश्य के विपरीत है।

आयोग ने अपने आदेश में कहा कि यदि किसी गंभीर बीमारी का पता चलने के 28 दिन के भीतर ही बीमित व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है और केवल इसी आधार पर दावा खारिज कर दिया जाता है, तो बीमा सुरक्षा का उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है।

ऐसी शर्त उपभोक्ता पर अनुचित और हानिकारक दायित्व डालती है, इसलिए इसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 48 के तहत अनुचित अनुबंध माना जाएगा।

जिला आयोग के आदेश को रखा बरकरार

राज्य आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग, कोरबा के आदेश को सही ठहराते हुए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी की अपील खारिज कर दी। आयोग ने माना कि बीमा कंपनी द्वारा दावा अस्वीकार करना उचित नहीं था।

साथ ही, बैंक की ओर से बिना पर्याप्त कारण और सूचना के खाते पर रोक लगाना भी सेवा में कमी और लापरवाही है।

पेट्रोलियम कंपनियों की सख्ती:15 अगस्त तक ई-केवाईसी नहीं कराया तो ऑनलाइन बुकिंग नहीं होगी

रायपुर। केंद्र सरकार की ओर से लगातार एलपीजी ग्राहकों से कहा जा रहा है कि वे अपने कनेक्शन का सत्यापन करवा लें। लेकिन बार-बार की मोहलत के बाद भी लोग ये काम नहीं करवा रहे हैं। इस वजह से अब तीनों पेट्रोलियम कंपनियां बीपीसीएल, आईओसीएल और एचपीसीएल ने साफ कर दिया है कि 15 अगस्त तक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले लोगों के सिलेंडरों की बुकिंग ऑनलाइन नहीं होगी। वे जब तक एजेंसी के पास या ऑनलाइन सत्यापन नहीं कराएंगे सिलेंडरों की डिलीवरी नहीं की जाएगी। सत्यापन नहीं कराने वाले ग्राहकों के खाते में एलपीजी की सब्सिडी भी जमा नहीं होगी। रायपुर जिले में तीनों कंपनियों के करीब 3 लाख ग्राहक हैं। इनमें 90%लोगों ने ई-केवाईसी करा ली है। लेकिन 28 हजार से ज्यादा लोग ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक सत्यापन नहीं कराया है। ये कनेक्शन कंपनी वालों के संदेह के भी दायरे में है।

रायपुर की BSUP कॉलोनियों में सर्च ऑपरेशन:350 मकानों की जांच

रायपुर। रायपुर में अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए शुक्रवार तड़के पुलिस ने बीएसयूपी कॉलोनियों में सघन चेकिंग और सत्यापन अभियान चलाया। सुबह करीब 4:30 बजे शुरू हुए अभियान के दौरान लाभांडी, बीएसयूपी तेलीबांधा (मरीन ड्राइव) और देवार डेरा क्षेत्र के करीब 350 मकानों की तलाशी ली गई।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 8 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया। इनमें मारपीट के मामले में पिछले 8 महीने से फरार चल रहे एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया।

अभियान पुलिस उपायुक्त (मध्य) तारकेश्वर पटेल के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त (सिविल लाइन) रमाकांत साहू के नेतृत्व में चलाया गया। इसमें थाना तेलीबांधा और पुलिस लाइन के 80 से अधिक अधिकारी और जवान शामिल रहे।

पुलिस टीमों ने कॉलोनियों में घर-घर जाकर किरायेदारों और बाहरी लोगों का सत्यापन किया। जांच के दौरान बिना पुलिस सत्यापन के रह रहे किरायेदारों और ऐसे किरायेदारों को रखने वाले मकान मालिकों की जानकारी भी जुटाई गई। संदिग्ध पाए गए सभी लोगों के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के दौरान पुलिस ने स्थानीय लोगों को 'समाधान' मोबाइल ऐप की जानकारी दी और सभी किरायेदारों का अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराने की अपील की।

पुलिस ने नागरिकों से यह भी कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाना या डायल-112 पर दें।

बोरा ने कहा:समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण व नवाचार की संस्कृति को दिया जाए बढ़ावा

रायपुर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की आज समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें विभाग की प्रमुख परियोजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने उनके क्रियान्वयन की प्रगति का आकलन किया । बैठक में रायपुर में प्रस्तावित साइंस सिटी, रीजनल साइंस सेंटर, विकसित की जा रही अत्याधुनिक एआई गैलरी तथा राज्य के विभिन्न जिलों में प्रस्तावित साइंस पार्कों की स्थापना एवं विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

इन परियोजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और आमजन को आधुनिक, इंटरैक्टिव एवं अनुभवात्मक विज्ञान शिक्षा उपलब्ध कराने तथा समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया।

वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने लिया भाग

बैठक में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा रीजनल साइंस सेंटर रायपुर के वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

रायपुर में बाढ़ को लेकर जिला प्रशासन का अलर्ट: नदी किनारे के गांवों में मुनादी कराने के निर्देश

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने शुक्रवार को रेडक्रॉस सभाकक्ष में समीक्षा बैठक ली। बैठक में सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं, लोगों की शिकायतों और लंबित कामों की स्थिति की समीक्षा की गई।

विभागों के बीच एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) जारी करने में हो रही देरी पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने सभी लंबित मामलों का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के खातों में सुधार का

काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र किसानों को समय पर योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत गांवों में ड्रोन सर्वे के बाद बची हुई प्रक्रिया को भी जल्दी पूरा करने को कहा।इसके अलावा किसानों से जुड़े काम समय पर पूरा करने और पीजीएन पोर्टल व सेवा सेतु पर मिले सभी आवेदनों का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। संभावित बाढ़ को देखते हुए कलेक्टर ने महानदी किनारे और आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलदारों और राजस्व अधिकारियों से कहा कि समय-समय पर गांवों में मुनादी कर लोगों को सतर्क करें।

साथ ही शेल्टर होम, राशन और जरूरी राहत सामग्री की व्यवस्था पहले से तैयार रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। बैठक में एग्रीस्टेक योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में किताबें और गणवेश समय पर बांटने के निर्देश दिए।

महादेव घाट-रायपुरा मार्ग पर रोज सख्ती से होगी मॉनिटरिंग

रायपुर। सावन महीने की शुरुआत के साथ ही रायपुर नगर निगम ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर खुले में मांस बिक्री के खिलाफ सख्ती के निर्देश दिए हैं। महापौर मीनल चौबे ने सभी जोन कमिश्नरों को आदेश दिया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में कांवड़ यात्रा मार्गों पर खुले में मांस बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। महापौर ने ऑनलाइन बैठक लेकर अधिकारियों से कहा कि सावन महीने में लाखे नगर चौक से महादेव घाट होते हुए रायपुरा मार्ग तक विशेष निगरानी रखी जाए। इस पूरे मार्ग पर रोज मॉनिटरिंग की जाएगी। यदि कहीं खुले में मांस बिक्री होती मिली तो संबंधित के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में महापौर ने मानसून के दौरान शहर के मुक्तिधामों की व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी मुक्तिधाम में जलभराव की स्थिति बनने पर संबंधित जोन कमिश्नर खुद मौके पर पहुंचकर तत्काल समस्या का समाधान कराएं, ताकि अंतिम संस्कार के दौरान लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

आम सूचना

ग्राम भटगांव, प.ह.नं. 80, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता श्रीमती विभा तिवारी पति स्व. प्रणव कुमार तिवारी निवासी मकान नं. 10/21, कृष्णा आवास, आमंत्रण ब्युटि क्लीनिक के पास, कसेर गली सत्ती बाजार रायपुर छ.ग. वाली के स्वामित्व एवं आधिपत्य में भूमि खसरा नंबर 256 का रकबा 0.1820 हे. स्थित ग्राम भटगांव, प.ह.नं. 80, रा.नि.मं. रायपुर-18-कान्दुल तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में धारित की जाती है, को क्रय करने का सौदा कर लिया है, बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उक्त भूमि के सौदे / विक्रय के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, व्यक्तियों, बैंक, संस्था, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय विभाग को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अपनी लिखित उजर दावा या आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज के इस सूचना प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर मेरे समक्ष प्रस्तुत करे, आम सूचना का खण्डन मात्र आपत्ति के रूप में स्वीकार नहीं होगा। बाद म्याद मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष मे करा लिया जावेगा एवं तत्पश्चात् प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी भी नहीं होगी। सो सूचना जाने।

भरत खाखरिया/डी.पी. वर्मा
(अधिवक्तागण)
पता- राज टॉकिज के पास, मल्टिलेवल पार्किंग के पीछे, होटल लक्ष्य, रायपुर छ.ग. मो. नं. 94252-02887

प्याज के अंदर गांजा भरकर कैदी तक पहुंचाने का प्रयास:साबुन की टिकिया से नशीली टैबलेट मिली, सेंट्रल जेल में बाहरी दुकानों का सामान बैन

रायपुर। केन्द्रीय जेल रायपुर में बंदियों तक प्रतिबंधित सामग्री पहुंचाने के लिए परिजनों की ओर से अपनाए जा रहे नए-नए तरीकों का खुलासा हुआ है। पिछले महीने मुलाकात के दौरान कुछ लोगों ने दैनिक उपयोग की वस्तुओं के भीतर नशीले पदार्थ और अन्य प्रतिबंधित सामग्री छिपाकर जेल में पहुंचाने की कोशिश की।

हालांकि, जेल प्रशासन की सघन तलाशी और सतर्क सुरक्षा व्यवस्था के कारण ऐसे सभी प्रयास विफल कर दिए गए। प्रतिबंधित सामग्री जब्त कर संबंधित मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की गई।

इन घटनाओं के बाद जेल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए बंदियों के दैनिक उपयोग की कुछ चयनित सामग्रियां अब सीधे जेल कैंटीन के माध्यम से उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था फिलहाल अस्थायी रूप से लागू की गई है। जेल प्रशासन के मुताबिक, कुछ परिजन बंदियों से मुलाकात के दौरान सीलबंद बिस्किट के पैकेटों में छेड़छाड़ कर उनके भीतर नशीली टैबलेट रख

देते थे। इसके बाद पैकेट को दोबारा इस तरह सील किया जाता था कि वह पूरी तरह फैक्ट्री पैक जैसा दिखाई दे। पहली नजर में ऐसे पैकेटों पर किसी तरह का संदेह नहीं होता था, लेकिन तलाशी के दौरान इनकी जांच में प्रतिबंधित सामग्री बरामद हुई।

प्लाज के अंदर गांजे की पुड़िया भरकर कर देते थे पैक

जांच में यह भी सामने आया कि कुछ लोग प्याज (खाद्य सामग्री) को भीतर से सावधानीपूर्वक खोलकर उसे खोखला कर देते थे। इसके अंदर गांजे की छोटी-छोटी पुड़ियां भरने के बाद उसकी ऊपर सतह को फिर से पुरानी तरह से पैक कर दिया करते थे।

जिससे लगे ही न कि प्याज के साथ छेड़छाड़ हो रही हो। इस तरीके से प्रतिबंधित सामग्री जेल के भीतर पहुंचाने की कोशिश की जा रही थी।

जेल प्रशासन ने बताया कि साबुन की टिकिया का इस्तेमाल भी प्रतिबंधित सामग्री छिपाने के लिए किया जा रहा था। साबुन को भीतर से काटकर या खोखला कर उसमें नशीले पदार्थ अथवा अन्य प्रतिबंधित सामग्री रखी जाती थी।

बाद में उसे दोबारा इस तरह तैयार किया जाता था कि बाहरी रूप से उसमें किसी तरह की छेड़छाड़ दिखाई न दे।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए अनुकूल है, लेकिन किसी भी फैसले में जल्दबाजी करने से बचें। शांत मन और तार्किक सोच के साथ लिया गया निर्णय भविष्य में लाभदायक साबित होगा। आकर्षक ऑफर या त्वरित लाभ के प्रलोभन में आने से बचें, क्योंकि उनमें जोखिम छिपा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और सूझबूझ की सराहना होगी।

वृषभ। आज अपने सभी प्रोजेक्ट्स और योजनाओं को पूरी सावधानी और धैर्य के साथ आगे बढ़ाएं। आपकी एकाग्रता और स्थिर सोच आपको हर चुनौती का सफल समाधान खोजने में मदद करेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों की सराहना करेंगे। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी तथा भविष्य के लिए बनाई गई योजनाएं लाभदायक साबित हो सकती हैं।

मिथुन। आज का दिन आर्थिक दृष्टि से बेहद लाभकारी रहने वाला है। व्यापार या नौकरी से जुड़े लोगों को धन लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर आपको कोई बड़ा और महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सौंपा जा सकता है, जिससे जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। अपनी कार्यक्षमता और समय प्रबंधन के बल पर आप सभी कार्य सफलतापूर्वक पूरे कर पाएंगे।

कर्क। आज आप ऊर्जा और उत्साह से भरपूर रहेंगे। लंबे समय से अटके हुए सरकारी या कार्यालय से जुड़े कार्य पूरे होने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का उचित सम्मान मिलेगा। हालांकि, गुस्से और आवेश पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा, अन्यथा रिश्तों में तनाव पैदा हो सकता है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और घर का माहौल सुखद रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

सिंह। आज आप स्वयं को नेतृत्व की भूमिका में पाएंगे और लोग आपके निर्णयों पर भरोसा करेंगे। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप सफलता के साथ निभाएंगे। धन कमाने के नए अवसर प्राप्त होंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। हालांकि, सफलता मिलने पर अहंकार या किसी से टकराव की स्थिति से बचें। परिवार का सहयोग मिलेगा और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

कन्या। आज आपके लंबे समय से सोचे हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम सामने आएगा। नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी और खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखना लाभकारी होगा। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा तथा जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे।

तुला। आज आपको अपने खर्चों पर विशेष नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आर्थिक मामलों में कोई भी निवेश करने से पहले पूरी जानकारी और सोच-विचार अवश्य करें। कार्यक्षेत्र में सामान्य प्रगति बनी रहेगी और आपकी मेहनत रंग लाएगी। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा तथा घरेलू वातावरण शांत रहेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक एकाग्रता बनाए रखने की आवश्यकता होगी।

वृश्चिक। आज का दिन आपके लिए खुशियों और संतोष से भरा रहेगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। मानसिक शांति का अनुभव होगा और लंबे समय से चली आ रही चिंताएं कम हो सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा और सफलता मिलने के योग हैं।

धनु। आज पुराने अनुभव और जीवन की सीख आपको नई दिशा दिखा सकते हैं। भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए धैर्य के साथ कार्य करना सफलता की कुंजी साबित होगा। कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन समझदारी और मेहनत से आप उन्हें आसानी से पार कर लेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा और प्रियजनों के साथ संबंध मजबूत होंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। विद्यार्थियों के लिए दिन सीखने और नई जानकारी प्राप्त करने का रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर। आज से आपकी किस्मत सकारात्मक दिशा में बदलती हुई नजर आ सकती है। करियर में प्रगति के नए अवसर प्राप्त होंगे और लंबे समय से रुके हुए कार्यों में गति आएगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं तथा आय के नए स्रोत भी बन सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद रहेगा। हालांकि, स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें और नियमित दिनचर्या अपनाएं। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। मेहनत और अनुशासन बनाए रखने से भविष्य में बड़ी सफलता मिलने की संभावना है।

कुंभ। आज आप पुरानी सोच और रूढ़ियों से बाहर निकलकर नए विचारों को अपनाने के लिए तैयार रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी रचनात्मक सोच और नवाचार की सराहना होगी। नई योजनाएं और प्रोजेक्ट भविष्य में लाभदायक साबित हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी और परिवार का सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन नई चीजें सीखने और रचनात्मक कार्यों में सफलता दिलाने वाला रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मीन। आज आपका मन आत्म-निरीक्षण, आध्यात्मिक चिंतन और सकारात्मक विचारों की ओर आकर्षित रहेगा। लंबे समय से की गई मेहनत का फल मिलने से आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और अनुभव की सराहना होगी तथा नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन पर्याप्त आराम और संतुलित दिनचर्या बनाए रखना आवश्यक होगा। आज का दिन आत्मविश्वास, समृद्धि और मानसिक संतुलन का संदेश लेकर आया है।

JPSC-JSSC **अनियमितता, छात्रों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी**

रांची में कैंडल मार्च निकाल सरकार के खिलाफ जताया विरोध, जमकर की नारेबाजी

रांची। झारखंड में JPSC और JSSC में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों का प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहा। शाम में जयपाल सिंह स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक कैंडल मार्च भी निकाला। इस दौरान छात्रों ने जेपीएससी के खिलाफ नारेबाजी की।

छात्रों के विभिन्न मांगों के साथ बुधवार को शुरू हुआ यह आंदोलन अब उग्र रूप लेता जा रहा है। बुधवार को छात्रों ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक पैदल मार्च निकाला था। गुरुवार को आजसू (छुस) ने भी इस विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया और छात्रों के साथ जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से राजभवन तक मार्च किया।

शुक्रवार को भी छात्रों का आंदोलन जारी रहने से झारखंड सरकार की चिंता बढ़ गई है। पिछले तीन दिनों से जयपाल सिंह स्टेडियम में धरने पर बैठे छात्र संघ के सदस्य शुक्रवार को हाथों में अपनी मांगों से संबंधित तख्तियां लिए नारे लगाते दिखे।

प्रदर्शनकारी छात्रा रेखा राणा ने आरोप लगाया कि झारखंड में सभी परीक्षाओं में अनियमितताएं हो रही हैं। उन्होंने JPSC पेपर लीक का जिक्र किया, जिसकी जांच एक ब्लैकलिस्टेड कंपनी को सौंप दी गई थी। इसके बाद, बिना किसी वैध जांच के JPSC PT के नतीजे घोषित कर दिए गए।

रांची में हजारों की संख्या में आक्रोशित छात्र, हाथों में कैंडल लेकर जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक पर पहुंचे। रांची में हजारों की संख्या में आक्रोशित छात्र, हाथों में कैंडल लेकर जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक पर पहुंचे।

केवल इस्तीफा देने से जवाबदेही तय नहीं होती: प्रदर्शनकारी

उन्होंने छुस्स्ट परीक्षाओं के बाद एडमिट कार्ड जारी होने पर भी सवाल उठाए, जिससे राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी छात्रा अर्चना कुमारी ने कहा कि सरकार ने छुक्स्ष्ट मामले पर तभी ध्यान दिया जब हस्क्हशटिग वायरल हुई।

उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल इस्तीफा देने से जवाबदेही तय नहीं होती, बल्कि हर परिस्थिति में जवाबदेह बनना होगा। उन्होंने सिस्टम में पारदर्शिता लाने की मांग की और कहा कि झारखंड में पुराने तरीके अब काम नहीं आएंगे क्योंकि यहां के छात्र जागरूक हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि यहां के छात्र एकजुट होकर विरोध कर रहे हैं, हमारा सत्याग्रह तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार हमारी मांगों को पूरा नहीं करती।

इनकम टैक्स का छापा:रामकृपाल कंस्ट्रक्शन ने फर्जी बिलों से की टैक्स चोरी, तीन राज्यों में दूसरे दिन भी कार्रवाई

रांची। मेसर्स रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और उसकी 10 सहयोगी कंपनियों के खिलाफ आयकर विभाग की छापेमारी दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रही। झारखंड, बिहार और हरियाणा के पांच प्रमुख ठिकानों पर चल रही यह कार्रवाई शनिवार को भी जारी रहेगी।

अब तक की जांच में सामने आया है कि कंपनियों ने फर्जी बिलों के जरिए बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी की है। 200 से अधिक आयकर अधिकारियों की टीम पूरे वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है। फर्जी बिलों और डिजिटल डेटा के तकनीकी विश्लेषण के लिए दिल्ली और कोलकाता से फॉरेंसिक विशेषज्ञों की विशेष टीम भी बुलाई गई है।

टीम 5 ठिकानों पर जांच में जुटी है। इनमें रांची के पंचवटी प्लाजा के शॉप नं-702 में कंपनी का क्षेत्रीय कार्यालय, बिहार के बेगूसराय के कृष्णा नगर में मुख्य कार्यालय व हरियाणा के गुरुग्राम के सेक्टर-54 स्थित सनसिटी शॉपिंग आर्केड में कॉर्पोरेट कार्यालय शामिल हैं।

10 सहयोगी कंपनियां भी रडार पर आयकर विभाग के अनुसार, रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन ने सहयोगी कंपनियों के माध्यम से टैक्स चोरी और अघोषित संपत्ति बनाने का पूरा नेटवर्क तैयार किया था। जांच के दायरे में मेसर्स रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन, आयुष श्रेयस प्रॉपर्टी प्रा. लि., आरकेएससीपीएल इंफ्रा प्रा. लि., आरकेएससीपीएल प्रोजेक्ट प्रा. लि. समेत 10 सहयोगी इकाइयां शामिल हैं।

डिजिटल साक्ष्य जब्त, आज सामने आ सकती है बड़ी तस्वीरः छापेमारी में डिजिटल उपकरण, फाइलें, हार्ड ड्राइव और संदिग्ध वित्तीय दस्तावेज जब्त किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, शनिवार को जांच पूरी होने के बाद कर चोरी के वास्तविक आंकड़ों की तस्वीर और अधिक स्पष्ट होने की उम्मीद है। बता दें कि कंपनी एनएच, खनन, स्टेडियम, आवासीय परिसर व पुल-पुलिया निर्माण के बड़े ठेके लेती है।

बाबाधाम में लाखों कांवरिए जलाभिषेक के लिए पहुंचेः 105 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंचे जलार्पण करने

देवघर। पवित्र श्रावण मास के दूसरे दिन शुक्रवार को बाबा बैद्यनाथ धाम में लाखों कांवरिये जलार्पण के लिए पहुंचे। उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र जल लेकर श्रद्धालु लगभग 105 से 108 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी कर देवाधिदेव महादेव की नगरी देवघर पहुंचे। पूरे कांवरिया पथ पर 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। झारखंड-बिहार सीमा पर स्थित दुम्मा बॉर्डर से लेकर खिजुरिया तक कांवरिया पथ पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगातार आगे बढ़ती रहीं। कांवरियों की टोलियां नाचते, गाते और भजन-कीर्तन करते हुए बाबा बैद्यनाथ मंदिर की ओर बढ़ रही थीं। सावन के दूसरे दिन भी श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर देखा गया। पटना और छपरा से पहुंचे कई कांवरियों ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से श्रावण मास में बाबा बैद्यनाथ को जल अर्पित करने देवघर आते हैं। श्रद्धालुओं ने कहा कि उन्होंने इस बार भी तीन दिनों की कठिन पैदल यात्रा पूरी कर बाबा धाम पहुंचने का सौभाग्य प्राप्त किया है। उनका अनुभव था कि बाबा धाम पहुंचते ही एक अलग तरह की आध्यात्मिक ऊर्जा और आत्मिक शांति का अनुभव होता है।

अपर बाजार बनेगा मॉडर्न ट्रेड हबः608 जर्जर दुकानों की जगह बनेगा मार्केट कॉम्प्लेक्स

रांची। पहले से आवंटित दुकानदारों के हित सुरक्षित रखे जाएंगेः निगम राजधानी के सबसे बड़े कारोबारी केंद्र अपर बाजार को अतिक्रमण मुक्त, सुव्यवस्थित और आधुनिक व्यापारिक हब के रूप में विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। शुक्रवार को नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने हरमू रोड, कार्ट सराय रोड, जालान रोड, वेस्ट मार्केट रोड और नॉर्थ मार्केट रोड का निरीक्षण कर कई अहम निर्देश दिए।

शनि मंदिर के पीछे राम-जानकी मंदिर के पास निगम की 1.34 एकड़ भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश दिया गया। वहीं 4.39 एकड़ निगम भूमि पर संचालित 608 जर्जर दुकानों की जगह आधुनिक मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स बनाने का प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया। निगम ने स्पष्ट किया कि पहले से आवंटित दुकानदारों के हित सुरक्षित रखे जाएंगे। जालान रोड स्थित बिहारी धर्मशाला का नवीनीकरण कर उसकी ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था शुरू की जाएगी। धर्मशाला के पास प्रस्तावित मल्टी लेवल पार्किंग परियोजना में तेजी लाने का निर्देश दिया।

4 नए रूट पर वंदे भारत मांगीःरांची से अयोध्या, जयपुर, भोपाल, हरिद्वार के लिए नई ट्रेन का प्रस्ताव

डीआरयूसीसी बैठक में वंदे भारत का ठहराव समय बढ़ाने की मांग

रांची। रांची रेल मंडल की मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति (डीआरयूसीसी) की शुक्रवार को चौथी बैठक हुई। बैठक में यात्री सुविधाओं, नई रेल सेवाओं और रेल नेटवर्क विस्तार से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता डीआरएम करुणा निधि सिंह ने की।

बैठक में रांची रेल मंडल की ओर से वर्ष 2026 में शुरू की गई 5 नई ट्रेनों की जानकारी दी गई। रेलवे ने बताया कि अक्टूबर 2025 से जून 2026 के बीच यात्रियों और परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए 131 जोड़ी स्पेशल और 16 जोड़ी परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया। बैठक में समिति सदस्यों ने रांची से देश के प्रमुख शहरों के लिए नई नियमित ट्रेनें शुरू करने की मांग रखी।

इनमें ऋषिकेश, रायपुर, भोपाल, अयोध्या, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ, हरिद्वार, देहरादून के लिए ट्रेन सेवा प्रमुख रही। इसके अलावा रांची से पुरी, रायपुर, भुवनेश्वर और लखनऊ (अयोध्या होकर) के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने का सुझाव दिया गया। रेलखंडों के विकास के लिए मूरी-चांडिल, मूरी-बरकाकाना और रांची-टोरी रेलखंड के दोहरीकरण की मांग उठी। डीआरयूसीसी सदस्य संजय अखौरी ने मांग की कि रांची स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस (20888) के ठहराव का समय बढ़ाया जाए।

रांची रेल मंडल की ओर से इस वर्ष 5 नई ट्रेनें शुरू हुई आनंद विहार टर्मिनल-पुरुलिया-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस तिरुपति-रक्सौल-तिरुपति एक्स. पोरबंदर-धनबाद-पोरबंदर अमृत भारत एक्सप्रेस भुवनेश्वर-धनबाद-भुवनेश्वर एक्सप्रेस हटिया-दुर्ग-हटिया एक्सप्रेस।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	3		8	4				
			9					
		5						
2	5				7	4	8	
		1					3	
	7	3						1
	4							
		8	6			9		
9								

पिछले अंक का उत्तर

1	3	7	9	8	6	4	5	2
9	2	5	3	4	7	1	6	8
8	6	4	5	2	1	9	7	3
7	5	3	8	1	4	6	2	9
6	1	2	7	3	9	8	4	5
4	8	9	6	5	2	3	1	7
5	7	1	4	9	3	2	8	6
2	9	8	1	6	5	7	3	4
3	4	6	2	7	8	5	9	1

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

भाजपा ने जामताड़ा समाहरणालय का घेराव कियाः प्रसूता की मौत पर प्राथमिकी के विरोध में प्रदर्शन

जामताड़ा। जामताड़ा में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जिला समाहरणालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन प्रसूता रीना देवी की इलाज में कथित लापरवाही से हुई मौत के मामले में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर दर्ज प्राथमिकी के विरोध में किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत, नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने सदर अस्पताल के पास से रैली निकाली और समाहरणालय पहुंचकर सभा की, जहां जिला प्रशासन और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री रणधीर सिंह, पूर्व जामा विधायक सीता सोरेन, पूर्व सांसद सुनील सोरेन और भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित शरण सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कॉमनवेल्थ में जूडो में 15 मिनट में अस्मिता-हर्ष गोल्ड जीते: जेवलिन में नीरज को सिल्वर और यशवीर को ब्रॉन्ज; भारत को कल 6 मेडल मिले

कॉमनवेल्थ गेम्स में शुक्रवार को भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। अस्मिता डे ने गेम्स के इतिहास में जूडो में देश को पहला गोल्ड दिलाया। इसके 15 मिनट बाद हर्ष सिंह ने दूसरा गोल्ड जीता। यामिनी मौर्य ने सिल्वर मेडल हासिल किया। जूडो में 3 मेडल आए।

देश के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने 85.83 मीटर थ्रो किया। भारत के ही यशवीर सिंह ने 85.41 मीटर का पर्सनल बेस्ट प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। श्रीलंका के रुमेश पथिराजे ने 89.75 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड मेडल हासिल किया।

एथलेटिक्स में तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन इवेंट में ब्रॉन्ज जीतकर इतिहास रचा। वह कॉमनवेल्थ में इस इवेंट में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने। ग्लासगो में चल रहे गेम्स के आठवें दिन भारत ने कुल 6 मेडल जीते। इनमें 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज शामिल रहे।

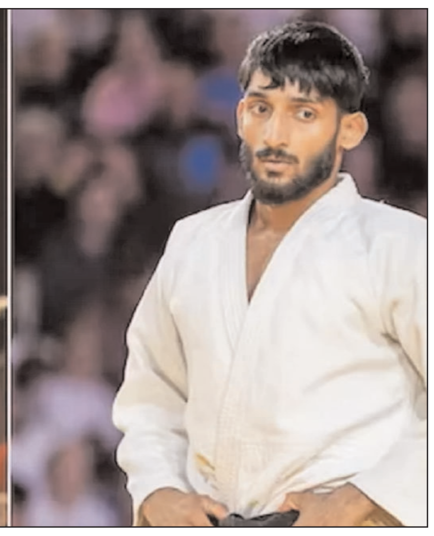

भारत ने गेम्स में अब तक 5 गोल्ड, 12 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज समेत 23 मेडल जीते हैं और मेडल टैली में 10वें स्थान पर है।

जेवलिन में भारत के दो मेडल, नीरज गोल्ड से चूके

नीरज चोपड़ा ने 85.83 मीटर का थ्रो कर सिल्वर मेडल जीता। मुकाबले का सबसे बड़ा सरप्राइज यशवीर सिंह रहे। उन्होंने आखिरी में 85.41 मीटर थ्रो कर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

पाकिस्तान के ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम टॉप-8 में भी जगह नहीं बना सके और तीन राउंड के बाद बाहर हो गए।

नीरज और यश के अचीवमेंट्स

डेकाथलॉन में मेडल लाने वाले तेजस्विन पहले भारतीय

तेजस्विन शंकर 7976 अंकों के साथ डेकाथलॉन में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने। दो दिन तक चले इस इवेंट में उन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले तेजस्विन 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में हाई जंप का ब्रॉन्ज भी जीत चुके हैं।

ग्रेनाडा के लिंडन विक्टर (8096 अंक) ने गोल्ड और डेमियन वार्नर (8036 अंक) ने सिल्वर जीता।

डेकाथलॉन में 10 अलग-अलग इवेंट्स होते हैं। हर इवेंट्स से मिले अंकों के आधार पर टोटल रैंकिंग बनती है। इस रैंकिंग के टॉप-3 प्लेयर्स को मेडल दिए जाते हैं।

डेकाथलॉन में 100 मीटर दौड़, लॉन्ग जम्प, शॉटपुट, हाई जम्प, 400 मीटर दौड़, 110 मीटर हर्डल, डिस्कस थ्रो, पोल वॉल्ट, जेवलिन थ्रो, 1500 मीटर दौड़ होते हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026
मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
1	ऑस्ट्रेलिया	55	30	43	128
2	इंग्लैंड	17	34	29	80
3	कनाडा	17	15	21	53
4	स्कॉटलैंड	10	8	16	34
5	नाइजीरिया	9	6	3	18
6	न्यूजीलैंड	7	10	8	25
7	सा. अफ्रीका	7	9	9	25
8	मलेशिया	7	3	3	13
9	वेल्स	6	6	12	24
10	भारत	5	12	6	23

बिजनेस न्यूज

1 अगस्त से लागू हुए 5 बड़े बदलाव, आम लोगों की जेब और सुविधाओं पर पड़ेगा असर

1 अगस्त 2026 से देशभर में कई महत्वपूर्ण नियम लागू हो गए हैं, जिनका सीधा असर आम नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ेगा। सबसे बड़ी राहत कॉमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को मिली है। तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में औसतन 200 रुपए तक की कटौती की है। इससे होटल, रेस्तरां और छोटे कारोबारियों की लागत कम होने की उम्मीद है।

रेल यात्रियों के लिए भी बड़ा बदलाव लागू हुआ है। अब तत्काल टिकट बुकिंग के लिए नया टोकन सिस्टम** शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य बुकिंग प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना और दलालों तथा फर्जी बुकिंग पर रोक लगाना है, जिससे वास्तविक यात्रियों को सुविधा मिल सके।

वित्तीय क्षेत्र में **CKYC 2.0** का नया अपग्रेडेड सिस्टम लागू कर दिया गया है। इस नई व्यवस्था से बैंक, बीमा और म्यूचुअल फंड जैसी वित्तीय सेवाओं में ग्राहक सत्यापन प्रक्रिया अधिक तेज, सुरक्षित और डिजिटल होगी। इससे बार-बार केवाईसी कराने की परेशानी भी कम होने की संभावना है।

इसके अलावा, 3 से 5 अगस्त के बीच भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होने वाली है। इस बैठक में ब्याज दरों पर फैसला लिया जाएगा। यदि रेपो रेट में बदलाव होता है, तो इसका सीधा असर होम लोन, ऑटो लोन और अन्य कर्ज की ईएमआई पर पड़ सकता है।

इन बदलावों के साथ अगस्त की शुरुआत आम लोगों के लिए राहत और नई व्यवस्थाओं का मिश्रण लेकर आई है। जहां गैस सिलेंडर सस्ता होने से कारोबारियों को फायदा मिलेगा, वहीं रेल टिकट और केवाईसी से जुड़े नए नियम डिजिटल सेवाओं को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

त्योहारों से पहले टूथपेस्ट से लेकर पेंट तक महंगे होंगे:॥रुऔर एशियन पेंट्स समेत 8 कंपनियां जरूरत के सामानों की कीमतें बढ़ाएंगी

मुंबई/नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी स्न्रह्लह्ल और कंज्यूमर कंपनियां फेस्टिव सीजन से ठीक पहले और लगातार दूसरी तिमाही में अपने प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ाने की तैयारी में हैं। टूथपेस्ट से लेकर टायर और पेंट जैसे सामान महंगे होने वाले हैं।

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के कारण कमोडिटी लागत बढ़ रही है, जिससे देश में महंगाई लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहने की आशंका है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (॥रु) आने वाली तिमाही में डिटर्जेंट और डिशवॉशिंग बार जैसी कैटेगरी में कीमतें बढ़ाएगी। ॥रु के अलावा डोडला डेयरी और एशियन पेंट्स समेत कम से कम 7 अन्य कंपनियां भी दाम बढ़ाने का प्लान बना चुकी हैं।

भारत की सबसे बड़ी कंज्यूमर गुड्स कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर निरंजन गुप्ता ने एनालिस्ट्स को बताया कि बाहरी उतार-चढ़ाव के कारण क्रूड ऑयल से जुड़े डेरिवेटिव्स में महंगाई देखने को मिल रही है। इसी वजह से कंपनी होम केयर सेगमेंट में सोच-समझकर कीमतें बढ़ा रही है।

ईरान युद्ध की वजह से एनर्जी की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं, जिससे तुरंत कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। अमेरिका-ईरान के बीच तनाव फिर से भड़कने के कारण कंपनियां होम एप्लायंसेज से लेकर किचन के जरूरी सामानों पर दूसरी बार कीमतें बढ़ाने के प्लान बना रही हैं।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

जमशेदपुर FC ने इंडियन सुपर लीग से नाम वापस लिया: वजह नहीं बताई; 2021-22 में पहली बार टाइटल जीता था

इंडियन सुपर लीग की पूर्व चैंपियन जमशेदपुर स्न्नष्ट ने लीग से हटने का फैसला किया है। क्लब ने सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की।

टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाले इस क्लब ने इस फैसले के पीछे की वजह का जिक्र नहीं किया है। टीम 2021-22 सीजन में चैंपियन बनी थी। क्लब के हटने के बाद अब लीग में 13 टीमें बची हैं।

फैंस और स्टाफ का जताया आभार

क्लब ने अपने ऑफिशियल बयान में फैंस, खिलाड़ियों, कोच और स्टाफ का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फैंस ने बेहतरीन समर्थन दिया। इसके साथ क्लब ने सभी कर्मचारियों और एआईएफएफ के सहयोग के लिए भी आभार जताया है।

जमशेदपुर एफसी 2017 में शुरु हुआ था। क्लब ने 2021-22 सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए ढ्ढस्रु शील्ड का खिताब अपने नाम किया था। पिछले सीजन में भी टीम सिर्फ 4 अंक से चैंपियन ईस्ट बंगाल से पीछे रही थी।

क्लब ने कहा- फुटबॉल के लिए काम करते रहेंगे

लीग से हटने के बावजूद क्लब ने कहा है कि वे भारत में फुटबॉल के लिए काम करना जारी रखेंगे। क्लब ने कहा कि वे ग्रासरूट लेवेल पर फुटबॉल को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को तराशने का काम जारी रखेंगे। क्लब ने कहा- उनका टारगेट युवा खिलाड़ियों के लिए ग्रासरूट से लेकर नेशनल और इंटरनेशनल लेवल तक एक मजबूत रास्ता तैयार करना है।

डैरेन सैमी का बयान विवादास्पद, हेड कोच पर नाराज़ हुए अल्जारी जोसेफ, कहा - उनका प्रतिनिधित्व नहीं कर रहा

वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सेंट जॉन्स के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले गए पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 90 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस सीरीज़ में तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ नहीं खेल रहे हैं। जोसेफ को लेकर टीम के हेड कोच डैरेन सैमी ने एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि जोसेफ निजी कारणों से इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। जोसेफ ने सैमी के इस बयान पर हैरानी जताई है।

पूरी तरह फिट हुए जसप्रीत बुमराह, श्रीलंका के खिलाफ दोनों टेस्ट खेलने की मिली मंजूरी

भारत। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज 15 अगस्त से खेली जानी है। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो चुका है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी स्क्वाड का हिस्सा हैं, लेकिन चयनकर्ताओं का कहना था कि वे खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला फिटनेस टेस्ट के बाद लिया जाएगा।

बुमराह ने पास किया फिटनेस टेस्ट

अब भारतीय फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। बुमराह ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टह्रश्व) में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और वे श्रीलंका के खिलाफ दोनों टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं। उन्हें पूरी तरह से फिट घोषित कर दिया गया है।

बुमराह को हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान इम्पैक्ट चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर बैठना पड़ा था। हालांकि अब मेडिकल टीम ने उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी है। पीटीआई न्यूज एजेंसी से बात करते हुए एक बीसीसीआई अधिकारी ने कह, 'जसप्रीत बुमराह अपनी इम्पैक्ट इंजरी से पूरी तरह उबर चुके हैं। उन्होंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा निर्धारित सभी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह दोनों टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे, क्योंकि वह टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं।'

साई सुदर्शन का भी होगा फिटनेस टेस्ट

साई सुदर्शन भी फिटनेस क्लीयरेंस के बाद ही इस सीरीज के लिए उपलब्ध हो पाएंगे। अबतक उनको लेकर कोई अपडेट नहीं आया है। जबकि वाशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट मैच में उपलब्ध नहीं रहेंगे।

भारत के बांग्लादेश दौरे पर सस्पेंस बरकरार: BCB चीफ तमीम इकबाल ने सरकार से मदद मांगी; कहा- विदेश मंत्रालय भारत से बातचीत करे

ढाका। भारत और बांग्लादेश के बीच सितंबर में होने वाली सीरीज पर सस्पेंस बरकरार है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट तमीम इकबाल ने अब सरकार से गुहार लगाई है कि वह भारत से बात करे। तमीम विदेश मंत्रालय गए और दौरे के लिए सुरक्षा की गारंटी मांगी।

भारत को बांग्लादेश दौरे पर तीन वनडे और 3 टी-20 मैच खेलने हैं। हालांकि **BCCI** की ओर से सीरीज पर कन्फर्मेशन आना बाकी है।

सीरीज 2024 में होनी थी: दौरा पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन हुआ और सरकार बदली। फिर भारत-बांग्लादेश के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टाल दिया गया था। अब सीरीज सितंबर 2026 में कराने की बात चल रही है। हालांकि भारत की तरफ से हरी झंडी नहीं मिली है।

सुरक्षा बड़ा इश्यू: तमीम इकबाल ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शामा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की। उन्होंने सरकार से कहा है कि वे भारत सरकार से बात करें। उन्होंने भरोसा दिलाने को कहा कि बांग्लादेश में टीम इंडिया पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। हालात सुधरते दिखने पर सीरीज संभव: हाल ही में भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भारत में होने वाले क्चढ्ढरूस्ञ्जश्वष्ट सम्मेलन का न्योता दिया है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत भी हुई है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि अगर दोनों देशों के राजनीतिक संबंध सुधरते हैं, तो मैच का रास्ता साफ हो जाएगा।

तमीम बोले- कुछ चीजें हमारे हाथ में नहीं

तमीम ने अपने बयान में कहा- 'हम इस सीरीज को लेकर बहुत उम्मीद में हैं। लेकिन कुछ चीजें मेरे हाथ में नहीं हैं। यह दो देशों की सरकारों के बीच का मामला है और वही इसे तय कर सकती हैं।'

शेड्यूल अब तक जारी नहीं

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड फिलहाल भारत के जवाब का इंतजार कर रहा है। मैच का ब्रॉडकास्ट (टीवी पर दिखाना) और बाकी कानूनी काम रोक दिए गए हैं। जैसे ही भारत सरकार और क्चष्टष्टढ्ढ की तरफ से सीरीज को मंजूरी मिलती है। तब मैच की तारीखों का ऑफिशियल ऐलान किया जा सकता है।

गांव और शहर के युवाओं के बीच अवसरों की दूरी मिटाएगी ई-लाइब्रेरी : मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर। डिजिटल शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण आज के युवाओं के सपनों को नई उड़ान दे रहे हैं, जिसमें आधुनिक ई-लाइब्रेरी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं । युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने और डिजिटल शिक्षा को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। धमतरी जिले के नगर पंचायत आमदी में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस ई-लाइब्रेरी का भव्य लोकार्पण प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा द्वारा किया गया। यह ई-लाइब्रेरी क्षेत्र के विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए ज्ञान, तकनीक और अवसरों के एक बड़े केंद्र के रूप में उभरेगी।

हाई-टेक सुविधाओं से लैस होगी पढ़ाई

आमदी की यह ई-लाइब्रेरी आधुनिक अध्ययन वातावरण और अत्याधुनिक तकनीकों का उत्कृष्ट संगम है, जहाँ युवाओं को ?हाई-स्पीड इंटरनेट एवं आधुनिक कंप्यूटर निर्बाध ऑनलाइन अध्ययन के लिए मिलेगी। इसी तरह ?विशाल डिजिटल लाइब्रेरी में हज़ारों ई-बुक्स, ई-जर्नल्स और डिजिटल रीडिंग मटेरियल से विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। ?प्रतियोगी परीक्षाओं क्कस्ट, ष्टत्नक्कस्ट, स्स्ष्ट, रेलवे और बैंकिंग जैसी राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय परीक्षाओं की अद्यतन अध्ययन सामग्री यहां से मिलेंगी। ?शांत व सुव्यवस्थित माहौल में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के लिए अनुकूल और तकनीकी रूप से सक्षम वातावरण बच्चों लिए लाभप्रद होगा।

ग्राम पंचायतों तक फैलेगा पुस्तकालयों का जाल*

कार्यक्रम के दौरान मंत्री टंक राम वर्मा ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा, कौशल विकास और डिजिटल सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि ज्ञान ही विकसित समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। हमारी सरकार का उद्देश्य केवल भवन निर्माण नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को साकार करना है। ई-लाइब्रेरी डिजिटल युग की महती आवश्यकता है, जो ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों के बीच अवसरों के अंतर को समाप्त करेगी ताकि युवाओं को बड़े शहरों की ओर पलायन न करना पड़े।

कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अपने ही क्षेत्र में ऐसी विश्वस्तरीय डिजिटल अध्ययन सुविधा मिलना उनके भविष्य और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए एक बड़ा वरदान साबित होगा। धमतरी ज़िले की लगभग सभी नगर पंचायतों में पुस्तकालय सुविधा विकसित की जा चुकी है। अब मेघा, सांकरा, बेलरगांव जैसी ग्राम पंचायतों की तर्ज पर अन्य सभी ग्राम पंचायतों तक भी पुस्तकालय सुविधाओं का विस्तार कर अध्ययन की संस्कृति को मजबूत किया जाएगा। लोकार्पण समारोह में धमतरी महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साहू, नगर पंचायत आमदी अध्यक्ष सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

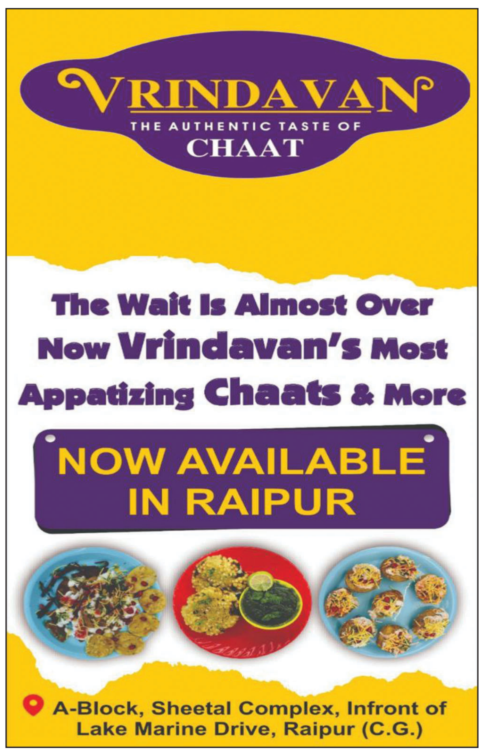

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे शासन की योजनाओं का लाभ : राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर। प्रदेश के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने अपने दो दिवसीय रायगढ़ प्रवास के प्रथम दिवस जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों से चर्चा कर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली। जिला कलेक्टोरेट में आयोजित बैठक में उन्होंने जल संरक्षण, पौधारोपण, पर्यावरण संवर्धन, जैविक कृषि, स्वच्छता, योग, टीबी उन्मूलन, आजीविका, सहकारिता, सड़क सुरक्षा सहित बीस से अधिक बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। राज्यपाल डेका ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करें। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ.सी.आर.प्रसन्ना, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका ने जिले में जल संरक्षण एवं जल संचयन के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी लेते हुए कहा कि वर्षा जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने अन्य राज्यों असम, त्रिपुरा एवं छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिला में जल संरक्षण के लिए किये जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए वर्षा जल संग्रहण, वाटर हार्वेस्टिंग तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही पुराने कुओं, बावड़ियों तथा अन्य पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जल संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाया जाए, जिससे भू-जल स्तर में स्थायी सुधार हो सके।

राज्यपाल डेका ने जिले में चल रहे पौधारोपण अभियान की समीक्षा करते हुए विशेष रूप से अमृत सरोवर परिसरों में लगाए गए पौधों की संख्या एवं उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल संख्या बढ़ाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का दीर्घकालीन संकल्प है।

सहकारिता के माध्यम से कृषि में तकनीकी क्रांतिः धमतरी बना देश का पहला जिला, 10 प्राथमिक कृषि साख समितियों से शुरू हुई ड्रोन सेवा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले ने कृषि के आधुनिकीकरण और सहकारिता आधारित नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान स्थापित की है। सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना को साकार करते हुए धमतरी देश का पहला जिला बन गया है, जहाँ 10 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को संगठित रूप से ड्रोन सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। इस अभिनव पहल के लिए शुक्रवार को रायपुर में आयोजित सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के 17वें स्थापना दिवस समारोह में जिले को राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने जिला सहकारिता विभाग के उपायुक्त श्री प्रदीप ठाकुर को यह सम्मान प्रदान किया। उन्होंने कहा कि सहकारिता संस्थाओं के माध्यम से आधुनिक तकनीक को किसानों तक पहुँचाने की यह पहल कृषि क्षेत्र में परिवर्तनकारी साबित होगी और अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी।

कलेक्ट्रेट परिसर धमतरी में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के कर्मचारियों के लिए ड्रोन तकनीक का विशेष प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कृषि विशेषज्ञों ने ड्रोन आधारित फसल प्रबंधन, कीटनाशकों एवं नैनो उर्वरकों के वैज्ञानिक छिड़काव, कम समय में अधिक क्षेत्र में कार्य, श्रम लागत में कमी, संसाधनों के संतुलित उपयोग तथा पर्यावरण संरक्षण में ड्रोन तकनीक की उपयोगिता से अवगत कराया।

प्रशिक्षण के बाद लोहरसी, दोनर, खरेंगा, अछोटा, बोड़रा, भोथीडीह, करेली, कुण्डेल, गाड़ाडीह एवं जुगदेही की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों ने किसानों को किराये पर ड्रोन सेवा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। इससे किसान आधुनिक तकनीक का उपयोग कर कम लागत में अधिक प्रभावी एवं वैज्ञानिक खेती कर सकेंगे।

15 अगस्त को पूरे छत्तीसगढ़ में उल्लास महा-चौपाल का आयोजन होगा

रायपुर। राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 में प्रदेश को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने के लक्ष्य के तहत यह विशेष अभियान शुरू किया है। स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण, प्रभात फेरी, मशाल रैली, साक्षरता शपथ, महा-चौपाल और मातृत्व साक्षरता जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। नव-साक्षर अपने अनुभव साझा करेंगे, बच्चे अपनी माताओं को नाम लिखना सिखाएंगे तथा डिजिटल हेल्प डेस्क के माध्यम से ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण भी होगा। अंगूठा मुक्त पंचायतों, उत्कृष्ट स्वयंसेवकों और साक्षरता परीक्षा उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को सम्मानित कर साक्षरता अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684